आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 हेमा मालिनी की चचेरी बहन...

वर्ष : 26 | अंक : 136 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 08 मई, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

'शहजादे ने अंबानी-अडाणी को गाली देना क्यों बंद किया'

प्रधानमंत्री ने तेलंगाना की चुनावी रैली में कांग्रेस पर बोला बड़ा हमला

हैदराबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी पर बड़ा निशाना साधा है। उन्होंने तेलंगाना के करीमनगर में कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने सवाल पूछा कि कांग्रेस ने अचानक अडानी-अंबानी का नाम लेना बंद क्यों कर दिया?

पीएम मोदी ने कहा कि आपने देखा होगा कि कांग्रेस के शहजादे पिछले पांच साल से सुबह उठते ही माला जपना शुरू करते थे। जबसे उनका राफेल वाला मामला ग्राउंडेड हो गया, तबसे उन्होंने एक नई माला जपनी शुरू कर दी। पांच साल से एक ही माला जपते थे। पांच उद्योगपति, पांच उद्योगपति. फिर धीरे-धीरे कहने लगे. अंबानी-अडानी. लेकिन जबसे चुनाव घोषित हुआ है. इन्होंने अंबानी-अडानी को गाली देना बंद कर दिया.

प्रधानमंत्री ने कांग्रेस से सवाल किया कि

शहजादे घोषित करें. इस चुनाव में अंबानी-अडानी से कितना माल उठाया है. उन्होंने पूछा, काले धन के कितने बोरे भरकर रुपये मारे हैं. क्या टेंपो भरकर नोट कांग्रेस के लिए पहुंचे हैं. क्या सौदा हुआ है. आपने रातोंरात अंबानी-अडानी को गाली देना बंद कर दिया. जरूर दाल में कुछ काला है. पांच साल तक गाली दी और रातोंरात बंद हो गई. मतलब कोई ना कोई चोरी का माल (शेष पृष्ठ-3 पर)

मंदबुद्धि ने दो को पीट पीट कर मार डाला एक का शव जलाया

ग्रामीणों ने हत्यारे को घेरकर मार डाला

अलीगढ़ (एजेंसी)। अलीगढ़ के टप्पल थाना के नूरपुर गांव में दिल दहलाने वाली घटना हुई है। यहां एक मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति ने खेत में काम कर रहे एक व्यक्ति पर हमला किया और उसमें आग लगा दी। उसके बाद एक अन्य पर हमला किया, जिससे उसकी भी मौत हो गई। दो ग्रामीणों की हत्या के बाद आरोपी को ग्रामीणों ने घेर लिया और पीट-पीटकर मार डाला। एक गांव में तीन-तीन मौत के बाद मातम छा गया। पुलिस ने पहुंच कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

थाना टप्पल के नूरपुर गांव में उस समय हाहाकार मच गया, जब दो लोगों की हत्या के बाद आरोपी की भी लाश मिली। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब साढ़े 6 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने मूंग के खेत में पानी लगा रहे लालाराम पुत्र सोहनलाल उम्र 55 वर्ष पर डंडे से हमला किया। बेहोश होने पर लालाराम की जेब से आरोपी ने माचिस निकाली और अपने कपड़े उतारकर लालाराम (शेष पृष्ठ-3 पर)

'मासूम कुणाल के हत्यारे जल्द पकड़े जाये'

सपा नेताओं ने पुलिस कमिश्नर से की मुलाकात

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में हुए कुणाल हत्याकांड का शीघ्र खुलासा करने तथा हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर आज समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष सुधीर भाटी के नेतृत्व में पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा कमिश्नरेट की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह से मुलाकात की। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सीईओ ने लिया भंगेल एलीवेटिड रोड का जायजा

कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम आज भंगेल एलिवेटिड रोड के निर्माण का निरीक्षण करने पहुंचे। उनके साथ नोएडा प्राधिकरण के डीजीएम (सिविल) विजय रावल व अन्य अधिकारी मौजूद थे। वहां पहुंचकर उन्होंने निर्माण कार्यें का निरीक्षण किया तथा मातहत अफसरों को शीघ्र कार्य पूरा करने के निर्देश दिये हैं। बता दें कि भंगेल एलिवेटेड रोड का काम जून 2020 में नोएडा प्राधिकरण ने शुरू किया था। इसमें 468 करोड़ रुपए खर्च होने थे। अब तक 70 फीसदी ही कम पूरा हुआ है, लेकिन उसके बीच कई समस्याएं सामने आई हैं। (शेष पृष्ठ-3 पर)

माँ व दिव्यांग बेटे की गला काटकर हत्या

गाजियाबाद में डबल मर्डर, परिजनों पर शक

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में डबल मर्डर से सनसनी फैल गयी है। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र के गुलाब वाटिका में मंगलवार रात मां-बेटे की घर में हत्या कर दी गई।दोनों को चाकू से गोदा गया और उनका गला काटा गया है। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में ले लिया है। उन्हें पोस्टमार्टम के लिए (शेष पृष्ठ-3 पर)

महिला लगा रही थी फांसी, तभी पहुंच गई पुलिस

नोएडा (चेतना मंच)। गेझा गांव में पति से झगड़ा होने के बाद फांसी लगाकर जान देने का प्रयास कर रही महिला को पुलिस ने बचा लिया। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और महिला को समझा बूझकर आत्महत्या करने से रोका।

थाना फेस-2 प्रभारी विंध्याचल तिवारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि गेझा गांव में एक महिला का फोन पर अपने पति से झगड़ा हो गया है। झगड़ा होने के बाद महिला ने खुद को कमरे में बंद कर लिया है और फांसी लगाने का प्रयास कर रही है। आसपास के लोगों ने महिला को काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन महिला आत्महत्या की कोशिश कर रही है। सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला को (शेष पृष्ठ-3 पर)

अर्पित मिश्रा बने भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश सोशल मीडिया सदस्य

नोएडा (चेतना मंच)। पार्टी के प्रति समर्पित भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा नोएडा महानगर के जिला मीडिया प्रभारी अर्पित मिश्रा को प्रदेश भाजपा युवा मोर्चा का प्रदेश सोशल मीडिया सदस्य मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन भाजपा युवा मोर्चा की प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख डॉ. रिचा राजपूत ने किया है।

मालूम हो कि अर्पित मिश्रा काफी समय से भाजपा युवा मोर्चा में मीडिया प्रभारी की कुशल जिम्मेदारी निभा रहे हैं। हाल ही में केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अर्पित मिश्रा द्वारा रचित काव्य संग्रह काव्यांजलि का विमोचन किया था। इस मौके पर गौतमबुद्धनगर के सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा की मौजूद थे। इस कार्यक्रम के बाद से अर्पित मिश्रा सुर्खियों में छा गए। पेशे से उद्यमी अर्पित मिश्रा छात्र जीवन से ही भारतीय जनता पार्टी विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे तथा बाद में भाजपा की सक्रिय सदस्य बन गए। वे कई वर्षों से भाजपा में सक्रिय हैं, इसके अलावा भाजपा के सोशल मीडिया के चेन्नई समेत प्रमुख शहरों पर होने वाले कार्यक्रम में (शेष पृष्ठ-3 पर)

फर्जी आधार कार्ड व पैन कार्ड पर कराया जमीन का बैनामा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जालसाजों के गिरोह ने फर्जी आधार व फर्जी पैन कार्ड का उपयोग कर एक व्यक्ति की जमीन का बैनामा कर उसे बेच दिया। बैनामे के वक्त जालसाजों ने किसी अन्य खाते में आरटीजीएस के माध्यम से धनराशि भी ट्रांसफर कर उसके दस्तावेज रजिस्ट्रार कार्यालय में लगा दिए। पीड़ित ने 8 लोगों सहित चार अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ थाना जेवर में जालसाजी, धोखाधड़ी व षड्यंत्र रचने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रीन पार्क एक्सटेंशन साउथ दिल्ली निवासी गुरदीप सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने वर्ष 2015 में ग्राम अमरपुर पालका तहसील जेवर में कृषि भूमि खरीदी थी। कुछ समय पूर्व उसे पता चला कि एक जालसाज गिरोह ने फर्जी तरीके से उसकी कृषि भूमि की रजिस्ट्री करा कर बैच दिया है। आरोपियों ने रजिस्ट्री के समय किसी अन्य व्यक्ति को खड़ा कर उसके नाम के फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड लगाकर रजिस्ट्री कराई है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

क्राइम फाईल

संपत्ति के लिए खून का प्यासा चाचा गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। अट्टा गांव में संपत्ति विवाद की रंजिश में भतीजे पर कातिलाना हमला करने वाले चाचा सहित तीन लोगों को थाना सेक्टर 20 पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में वांछित अन्य दो लोगों की पुलिस तलाश कर रही है। अट्टा गांव निवासी सत्यप्रकाश अवाना ने बीते दिनों अपने बेटे के साथ मारपीट करने के आरोप में अपने भाई मेहर चंद अवाना व भतीजो सहित 5 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पीड्ति ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि सेक्टर-27 स्थित हरबंस मार्केट में उनके बेटे का जिम है। 2 मई की रात्रि को वह अपने बेटे गौरव अवाना व उसके साथियों के साथ जिम पर पहुंचे। यहां उनका भाई मैहर चंद अवाना तथा भतीजे उसके बेटे देवेंद्र अवाना के साथ मारपीट कर रहे थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

ऑफिस गई युवती, घर से लैपटॉप चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-122 में रहने वाली एक युवती के कमरे से चोरों ने लैपटॉप चोरी कर लिया। घटना के समय युवती ड्यूटी के लिए अपने ऑफिस गई थी।

मूल रूप से जनपद फिरोजाबाद की रहने वाली आशी बंसल ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में सेक्टर-122 में किराए पर रह रही है। 30 अप्रैल की सुबह वह घर से अपने सेक्टर-62 स्थित ऑफिस गई थी। शाम के समय जब वह घर वापस लौटी तो उसका लैपटॉप गायब था। उसने लैपटॉप की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

मकान का ताला तोड़कर लाखों की चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र के धूम मानिकपुर गांव के पास बनी शिवा फिल्म सिटी कॉलोनी में एक मकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपए के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। मूल रूप से एटा निवासी धर्मसिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसने करीब 4 साल पूर्व धूम मानिकपुर गांव के पास बनी शिवा फिल्म सिटी कॉलोनी में अपना मकान बनाया था। इस मकान में वह परिवार सहित रह रहा है। 29 अप्रैल को वह ड्यूटी पर गया था। दोपहर के समय उसके बच्चे घर का ताला बंद कर कोचिंग के लिए चले गए। कुछ देर बाद जब बच्चे कोचिंग से वापस लौटे तो उन्हें घर का ताला टूटा और सामान बिखरा हुआ मिला। धर्म सिंह के मुताबिक चोर उनके घर से सोने (शेष पृष्ठ-3 पर)

'पत्नी पर था शक कि शराब छुड़ाने की पिलाती है दवाई'

शराब के नशे में पत्नी को पीटा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शराब छुड़ाने की दवाई देने के शक में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की जमकर पिटाई की। पति द्वारा आये दिन की जाने वाली पिटाई व दहेज की मांग से त्रस्त पत्नी ने थाना ईकोटेक-3 में पति सहित चार के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व मारपीट के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया है।

जलपुरा गांव में रहने वाली विमलेश (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसका पति अरविंद आए दिन घर पर शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता है। 6 मई को भी उसका पति शराब पीकर घर आया। उसने आते ही कहा कि उसे शराब छुड़ाने वाली दवाई खिलाई है। उसके द्वारा मना करने पर वह गाली गलौज करने लगा। महिला के मुताबिक उसने बच्चों की कसम खाकर शराब छुड़ाने की दवाई खिलाने से इनकार किया लेकिन इसके बाद भी अरविंद को विश्वास नहीं आया। शराब के नशे में अरविंद ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान उसका सर फट गया और हाथ में भी गंभीर चोटे आई। (शेष पृष्ठ-3 पर)

कुणाल शर्मा हत्याकांड के बाद पुलिस सतर्क

लापता दो बच्चे व किशोरी ढूंढ निकाले

नोएडा (चेतना मंच)। अपहरण के बाद कुणाल की हत्या के बाद से कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस बच्चों की गुमशुदगी के मामलों को गंभीरता से ले रही है। पुलिस ने अलग-अलग स्थान से लापता दो बच्चों व एक किशोरी को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।

थाना एक्सप्रेस वे प्रभारी सरिता मलिक ने बताया कि पुलिस को गश्त के दौरान छपरौली गोल चक्कर के पास 8 वर्षीय बच्ची अकेले घूमते हुए मिली। बच्ची को लावारिस हालत में घूमता देखकर पुलिस टीम ने उसे तुरंत अपनी अभिरक्षा में लिया। पूछताछ में बच्ची ने अपना नाम बताया लेकिन वह घर का पता नहीं बता पाई। इसके बाद पुलिस टीम ने बच्ची को साथ लेकर आसपास के लोगों से उसके परिवार के बारे में जानकारी ली। कई घंटे की मशक्कत के बाद बच्चों के परिजनों का पता चला जिसके बाद उन्हें थाने बुलाकर बच्ची को उनके सुपुर्द किया गया।बच्ची की मां ने बताया कि उनकी बेटी रास्ता भटक गई थी।

वहीं थाना सूरजपुर पुलिस को सूचना मिली थी कि एक 13 वर्षीय बच्चा घर से बिना बताए चला गया है। परिजनों ने उसकी काफी तलाश (शेष पृष्ठ-3 पर)

किताब लेने गई किशोरी लापता, दो किशोरियों का अपहरण

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान से तीन किशोरिया संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है। देवला गांव में रहने वाले रमेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 3 मई की शाम को उसकी (16 वर्षीय) बेटी किताब लेने के लिए घर से गई थी। इसके बाद वह वापस नहीं लो। उसने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पीड़ित की शिकायत पर थाना सूरजपुर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के सेक्टर-135 में रहने वाले वाली एक किशोरी को दो युवक बहला फुसलाकर भगा ले गए। मूल रूप से बदायूं निवासी संजय (काल्पनिक नाम) ने बताया कि 2 मई की सुबह 4 बजे (शेष पृष्ठ-3 पर)

सैलानियों की भीड़

हम इसे पर्यटन का 'पीक' कहें या मानें कि भीड़ कभी सैलानी नहीं होती। पिछले कुछ दिनों से कांगड़ा में पर्यटन राजधानी का शुमार सडक़ों पर देखा जा रहा है। जो दैनिक कार्यों के लिए सडक़ से हो कर गुजरते होंगे, उन्हें मालूम हो गया कि सैलानी अगर गाडिय़ों की गिनती या महासमागमों की बस्ती हैं, तो एक ही दिन की आफत में कितनी सदियां गुजर गईं। परौर में राधास्वामी सत्संग की ट्रैफिक व्यवस्था करने में छक्के छूट जाते हैं। पसीना-पसीना पुलिस करे भी तो क्या करे। पुलिस कोई पार्किंग मशीनरी नहीं कि कोई स्थायी खाका बना ले या सडक़ों की धूल में यातायात व्यवस्था की खाक छानती फिरे, फिर भी पर्यटन सीजन का सही मायने में कोई नायक है, तो यह सेहरा कांगड़ा पुलिस को जाता है। काश! कभी पर्यटन, सडक़ विस्तार और सरकार की योजनाएं पर्यटक सीजन की कतार में खड़ी होकर देखें कि हमें करना क्या है। इससे क्या फर्क पड़ता है कि एडबी बैंक के कार्यालय को धर्मशाला से स्थानांतरित करके पर्यटन में कैबिनेट प्राप्त आर एस बाली नगरोटा बगवां ले जाएं या कल जब सुबह हो तो हम एक नया सरकारी होटल खोल दें। कायदे से अगर होटल व्यवसाय का पर्यटन की भीड़ से कोई रिश्ता होता, तो परौर तक आ रहे लोग तमाम होटलों को खचाखच भर देते, मगर वे तो सडक़ों, जंगलों और यातायात को पूरी तरह भरने आए थे और आते रहेंगे। ताज्जुब यह भी कि पिछले चंद दिनों में पर्यटन के एक साथ कई दीप जले, मगर हमारे दीये में तेल है ही कितना। धर्मशाला में क्रिकेट का आई पी एल और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दौरा बेशक सम्मानित करता है और यह प्रमाणित करते हैं कि हिमाचल 'खुशामदीद' कहने की आदत डाल रहा है, लेकिन इस वसंत को हम चार दिन की चांदनी बना कर स्वयं ही नष्ट कर देंगे या पर्यटन को हमेशा पुलिस के हाथों में सौप देंगे, जबकि इसकी स्थायी व्यवस्था व प्रबंधन की जरूरत है और यही निकम्मापन हर धार्मिक स्थल पर पाजेब पहने हुए मिल जाएगा। मान लिया चंद दिन हमारा सामान्य जनजीवन पुलिस के हवाले भी चल सकेगा या वन वे के नाम पर पालमपुर की ओर से जनता चामुंडा होकर कांगड़ा निकल जाए, लेकिन ट्रैफिक जाम के मुहानों पर अड़ गई एंबुलेंस की गाड़ी को कैसे निकालोगे या भीड़ को वाहन चलाना कौन सिखाएगा। क्या हमारी पुलिस व्यवस्था केवल संकट में समाधान की वर्दी है या साल भर हमें ट्रैफिक व्यवस्था में नागरिक शिष्टाचार सिखाएगी। खुशखबरी यह है कि बड़े समागमों या वीआईपी मूवमेंट में भी जनता के बीच से निकले स्वयंसेवक कई जगह काम आ जाते हैं या वाहनों के चालक खुद ट्रैफिक पुलिस बन जाते हैं, वरना पर्यटक सीजन को लांघना हमारे लिए मुश्किल व पीड़ाजनक बनता जा रहा है। ऐसे में पर्यटन की संभावना को समझते व विकसित करते हुए यह अनुमान लगाएं कि हमारी छवि किसे बुला रही है। क्या हम कसोल या धर्मकोट की किसी पार्टी में पर्यटकों को बुला रहे हैं या खड्डों में नहाने के लिए कांगड़ा बाइपास का इस्तेमाल कर रहे हैं। क्या हम धार्मिक समागमों, प्रवचनों या लंगरों में मुफ्त का खाना व रहने का लुत्फ उठा रहे लोगों के कारण पर्यटक सीजन की खिल्ली उड़ा रहे हैं। क्यों नहीं हम बड़े आश्रमों, डेरों व धार्मिक आकाओं को प्रेरित करते हैं कि वे ऑफ-सीजन में आकर तंबू लगाएं। पर्यटन की प्लानिंग में इसके दस्तूर को साल भर के पैमानों में भरने की कोशिश के साथ-साथ इसके भीड़ बनने से हिमाचल को बचाएं, वरना जिस दिन सरकार का दावा और सरकार का आंकड़ा पांच करोड़ सैलानी गिनकर पूरा हो गया, उस दिन प्रदेश में कितने ही परौर और कितने ही कसोल, आम बाशिंदों की जिंदगी को मुसीबत में डाल चुके होंगे।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे गिरिजे! संत समागम के समान दूसरा कोई लाभ नहीं है। पर वह (संत समागम) श्री हरि की कृपा के बिना नहीं हो सकता, ऐसा वेद और पुराण गाते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कहेउँ परम पुनीत इतिहासा। सुनत श्रवन छूटहिं भव पासा॥
प्रनत कल्पतरु करुना पुंजा। उपजइ प्रीति राम पद कंजा॥

मैंने यह परम पवित्र इतिहास कहा, जिसे कानों से सुनते ही भवपाश (संसार के बंधन) छूट जाते हैं और शरणागतों को (उनके इच्छानुसार फल देने वाले) कल्पवृक्ष तथा दया के समूह श्री रामजी के चरणकमलों में प्रेम उत्पन्न होता है॥

मन क्रम बचन जनित अघ जाई। सुनहिं जे कथा श्रवन मन लाई॥
तीर्थाटन साधन समुदाई। जोग बिराग ग्यान निपुनाई॥

जो कान और मन लगाकर इस कथा को सुनते हैं, उनके मन, वचन और कर्म (शरीर) से उत्पन्न सब पाप नष्ट हो जाते हैं। तीर्थ यात्रा आदि बहुत से साधन, योग, वैराग्य और ज्ञान में निपुणता, ॥

नाना कर्म धर्म ब्रत दाना। संजम दम जप तप मख नाना॥
भूत दया द्विज गुर सेवकाई। बिद्या बिनय बिबेक बड़ाई॥

अनेकों प्रकार के कर्म, धर्म, व्रत और दान, अनेकों संयम दम, जप, तप और यज्ञ, प्राणियों पर दया, ब्राह्मण और गुरु की सेवा, विद्या, विनय और विवेक की बड़ाई (आदि)- ॥

जहँ लगि साधन बेद बखानी। सब कर फल हरि भगति भवानी॥
सो रघुनाथ भगति श्रुति गाई। राम कृपाँ काहूँ एक पाई॥

जहाँ तक वेदों ने साधन बतलाए हैं, हे भवानी! उन सबका फल श्री हरि की भक्ति ही है, किंतु श्रुतियों में गाई हुई वह श्री रघुनाथजी की भक्ति श्री रामजी की कृपा से किसी एक (विरले) ने ही पाई है॥

दो0-मुनि दुर्लभ हरि भगति नर पावहिं बिनहिं प्रयास।
जे यह कथा निरंतर सुनहिं मानि बिस्वास॥

किंतु जो मनुष्य विश्वास मानकर यह कथा निरंतर सुनते हैं, वे बिना ही परिश्रम उस मुनि दुर्लभ हरि भक्ति को प्राप्त कर लेते हैं॥

(क्रमशः..)

सोना क्यों बन रहा है पहली पसंद

पहले विश्व युद्ध के बाद से अब तक दुनिया में डॉलर का महत्त्व लगातार बढ़ता रहा है। जब अमरीका के सहयोगी देश सामान के बदले सोना देने लगे, तो ऐसे में संयुक्त राज्य अमरीका आधिकारिक तौर पर दुनिया का सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार बन गया। युद्ध के बाद अनेकों देशों ने अपनी करंसियों को डॉलर के साथ जोड़ा और इसके साथ ही दुनिया में गोल्ड स्टैंडर्ड समाप्त हो गया और डॉलर दुनिया की सबसे पसंदीदा करंसी बन गई। सभी देशों ने अपनी विदेशी मुद्रा भंडारों को डॉलर के रूप में रखना शुरू कर दिया, और ऐसे में वर्ष 1999 तक दुनिया के कुल विदेशी मुद्रा भंडारों में डॉलर का हिस्सा 71 प्रतिशत तक बढ़ गया। 1999 में यूरोप साझा करंसी यूरो का प्रादुर्भाव हुआ और अब अधिकांश यूरोपीय देशों ने डॉलर के बदले यूरो रखना शुरू कर दिया। इसके चलते रिजर्व करंसी के नाते डॉलर का हिस्सा घटने लगा और वर्ष 2021 तक यह घटकर 59 प्रतिशत रह गया था। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार डॉलर का वैश्विक रिजर्व करंसी के रूप में हिस्सा 2010 में 62 प्रतिशत, 2015 में 65.73 प्रतिशत, 2020 में 59 प्रतिशत और 2023 में 58.41 प्रतिशत रह गया। समझना होगा कि उतार-चढ़ाव के साथ वर्ष 1999 से डॉलर का महत्त्व अंतरराष्ट्रीय रिजर्व करंसी के नाते लगातार घटता रहा है। लेकिन महत्त्वपूर्ण बात यह है कि चाहे डॉलर का महत्त्व घटता गया हो, लेकिन डॉलर अभी भी दुनिया की सबसे अधिक पसंदीदा करंसी बना हुआ है। उसके मुकाबले दूसरे स्थान पर यूरो का हिस्सा अभी भी 20 प्रतिशत के आसपास ही है और बाकी कोई भी करंसी उसके नजदीक भी नहीं है। आज भी दुनिया के अधिकांश अंतरराष्ट्रीय लेन-देन डॉलर में होते हैं।

इस कारण से डॉलर लंबे समय से कभी भी खास कमजोर नहीं हुआ। भारतीय रुपए के संदर्भ में देखें तो 1964 में जहां एक डॉलर 4.66 रुपए के बराबर था, वो अब बढक़र 83.4 रुपए तक पहुंच चुका है। अन्य करंसियों की तुलना में भी यह काफी मजबूत रहा है। लेकिन कुछ समय से दुनिया के देशों में वि.डॉलरीकरण के संकेत मिल रहे हैं। डॉलर के लगातार मजबूत होने के कारण लगभग सभी देशों, खासतौर पर विकासशील देशों को खासा नुकसान होता रहा है। भारत की यदि बात करें तो पिछले कुछ समय से भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक अंतरराष्ट्रीय भुगतानों में रुपए की भूमिका को बढ़ाने का प्रयास लगातार कर रहा है। लगभग 20 देशों के साथ इस बाबत सहमति भी बनी है। उधर अंतरराष्ट्रीय उथल-पुथल और खासतौर पर रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अमरीका और यूरोपीय देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के चलते अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में कठिनाई के कारण, दूसरे देशों में भी स्थानीय करंसियों में भुगतान के प्रयास तेज हो गए हैं। दुनिया में डॉलर के प्रति विमुखता इस कारण से भी बढ़ी है, क्योंकि अमरीका ने रूस को आक्रमणकारी बताते हुए उसके तमाम डॉलर रिजर्व को जब्त कर लिया है। ऐसे में दूसरे मुल्कों में यह भय व्याप्त हो गया है कि देर-सवेर अमरीका ऐसी कार्रवाई उन पर भी कर सकता है। ऐसे में उन मुल्कों पर रूस जैसी भुगतान की समस्या आ सकती है। ऐसे में दुनिया के मुल्क दो तरफा प्रयास कर रहे हैं। एक, स्थानीय करंसियों में भुगतान तो दूसरा डॉलर के स्थान पर सोने के भंडार में वृद्धि। भारत की यदि बात करें तो देखते हैं कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ते-बढ़ते अप्रैल के पहले सप्ताह तक 648.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया था।

लेकिन इस बीच में एक और महत्त्वपूर्ण बात जो दिखाई दी कि विदेशी मुद्रा भंडारों में सोने का भंडार 55.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें एक ही सप्ताह में 1.24 अरब डॉलर की वृद्धि हुई। बताया जा रहा है कि एक ही सप्ताह में सोने के भंडार में 6 टन वृद्धि हुई। पिछले साल की तुलना में भारत का स्वर्ण भंडार 13 टन ज्यादा है। दुनिया में आधिकारिक स्वर्ण भंडार की दृष्टि से भारत का स्थान 9वां है। भारतीय रिजर्व बैंक ने स्वर्ण भंडार की प्राथमिकता के बारे में आधिकारिक पुष्टि भी की है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में जहां विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों और अन्य संस्थाओं द्वारा 450.1 टन सोने की खरीद की गई, वो बढक़र 2022 में 1135.7 टन हो गई। वर्ष 2023 में केंद्रीय बैंकों ने 1037 टन सोने की खरीद की। गौरतलब है कि गहनों के रूप में सोने की मांग पहले के मुकाबले में लगातार घटती जा रही है, जबकि निवेश के रूप में सोने की मांग लगातार बढ़ रही है। इस बीच पिछले सालों में केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद में अभूतपूर्व वृद्धि ने दुनिया में सोने की मांग बढ़ा दी है। यदि सोने के भाव की बात करें तो पिछले दो-तीन वर्षों में सोने की कीमत में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2018 में सोने की औसत कीमत 1268.93 डॉलर प्रति ओंस थी, जो वर्ष 2024 में अभी तक 2126.82 डॉलर प्रति ओंस तक पहुंच चुकी है। यानी मात्र 6 वर्षों से भी कम समय में सोने की कीमत में 67.6 प्रतिशत की वृद्धि यानी लगभग 9.5 प्रतिशत वार्षिक की वृद्धि।

गौरतलब है कि गहनों के रूप में सोने की मांग पहले के मुकाबले में लगातार घटती जा रही है, जबकि निवेश के रूप में सोने की मांग लगातार बढ़ रही है। इस बीच पिछले सालों में केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद में अभूतपूर्व वृद्धि ने दुनिया में सोने की मांग बढ़ा दी है। यदि सोने के भाव की बात करें तो पिछले दो-तीन वर्षों में सोने की कीमत में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

यह बात सर्वथा सिद्ध हो रही है कि दुनिया में सोने की मांग बढ़ रही है, जिसके कारण उसकी कीमत भी लगातार बढ़ती जा रही है। वर्ष 1988 में सोने की कीमत 437 डॉलर प्रति आउंस थी, जो 2018 तक बढक़र 1268.93 तक पहुंची थी, यानी 30 सालों में 3.61 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि। लेकिन पिछले 6 सालों में सोने की कीमतें 9.7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही हैं। ऐसे में दुनिया के आर्थिक विश्लेषक वैश्विक मौद्रिक एवं वित्तीय परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलावों की ओर इंगित कर रहे हैं। पहला कारण यह है कि संयुक्त राज्य अमरीका के केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दर, जिसे फेड रेट भी कहते हैं, उसके घटने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं। ऐसे में चूंकि ब्याज दरें कम होने पर लोग वित्तीय परिसंपत्तियों के बजाय सोना खरीदने की ओर आकर्षित होंगे। ऐसे में यदि ब्याज दर गिरती है तो सोने की मांग बढ़ेगी।

दूसरा कारण यह बताया जा रहा है कि चीन समेत दुनिया भर के केंद्रीय बैंक अब ज्यादा से ज्यादा सोना खरीद रहे हैं। इस प्रवृत्ति के थमने की कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही। तीसरा दुनिया भर में सोने की कीमतों में वृद्धि की अपेक्षा की जा रही है। ऐसे में केंद्रीय बैंकों द्वारा ज्यादा सोना खरीदने की संभावनाएं और भी बढ़ रही हैं, क्योंकि यदि केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडारों में सोने की मात्रा बढ़ाते है, तो बढ़ती सोने की कीमतों के साथ उनके विदेशी मुद्रा भंडार स्वयंमेव बढ़ जाएंगे। सोने की बढ़ती यह मांग, कई सवाल खड़े करती है, उसमें से सबसे अहम सवाल यह है कि क्या अब डॉलर का वर्चस्व समाप्त हो रहा है। एक दूसरा सवाल यह है कि क्या सोने का महत्व अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में भी बढने् वाला है। क्या ऐसा होगा या नहीं, यह तो भविष्य के गर्भ में छुपा है, लेकिन यह स्पष्ट है कि विश्व वि.डॉलरीकरण की ओर बढ़ रहा है तथा उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं के साथ देश अपने विदेशी व्यापार को अपनी घरेलू मुद्राओं में निपटाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में डॉलर के विकल्प में सर्वाधिक प्राथमिकता सोने को दी जा सकती है। दुनिया के कई देश अमरीका द्वारा उनके विदेशी भंडारों के जब्त होने के अंदेशे से भी आशंकित हैं, क्योंकि रुस के साथ अमरीका ऐसा कर चुका है। भारत और चीन सहित दुनिया में सोने की मांग बढने् का यह भी एक मुख्य कारण बन रहा है।

-डा. अश्वनी महाजन
कालेज प्रोफेसर

विरासत के सहारे जीत की तलाश करते हुए राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तरप्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव न लड़ पाने की हिम्मत के बाद आखिर परम्परागत रायबरेली से नामांकन दाखित कर दिया। यह बात सही है कि राहुल गांधी के अमेठी छोड़ने के बाद कांग्रेस राजनीति में कोई ठोस सन्देश देने में सफल नहीं हो रही थी, जिसके कारण कांग्रेस के कई नेता अमेठी के बारे में बोलने से किनारा करने लगे थे। अब राहुल गांधी अपने दादा फिरोज खान, दादी इंदिरा गांधी और माँ सोनिया गांधी की विरासत को बचाने के लिए मैदान में आ गए हैं। यहाँ सवाल यह नहीं हैं कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस ने रायबरेली को क्यों चुना, बल्कि सवाल यह है कि राहुल गांधी ने अमेठी को क्यों छोड़ा। क्या वास्तव में राहुल गांधी को फिर से अपनी पराजय का डर लगने लगा था? अगर यह सही है तो फिर ऐसा क्यों है कि राहुल गांधी हर बार अपने लिए सुरक्षित स्थान की तलाश क्यों करते हैं। उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अमेठी में अपनी ज़मीन खिसकती दिखाई दी, तब उन्होंने एकदम सुरक्षित लगने वाली सीट केरल की वायनाड को चुना। वहाँ से चुनाव जीते जरूर, लेकिन अमेठी की हार कांग्रेस परिवार की हार थीं, जिसे कांग्रेस आज तक भुला नहीं पायी है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव लड़ाना खतरे से खाली नहीं था।

कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के नामांकन जमा करने के समय जिस प्रकार से बड़े नेताओं का जमघट लगा, वह भले ही जनता में प्रभाव डालने के लिए किया हो, लेकिन इससे यह भी राजनीतिक सन्देश सुनाई दे रहा है कि अब रायबरेली की सीट भी कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। यह इसलिए भी कहा जा सकता है कि वहाँ लगभग सभी बड़े नेता उपस्थित हुए। यहाँ तक कि प्रियंका वाड्रा के पति रोबर्ट वाड्रा भी कांग्रेस के विरासती राजनेता के तौर पर उपस्थित हुए। ऐसे में एक सवाल यह भी आता है कि एक ही परिवार के चार व्यक्तियों को कांग्रेस के बड़े नेताओं के रूप में प्रचारित करना निसंदेह कांग्रेस पर परिवारवादी होने को ही प्रमाणित करता है। जिस परिवारवाद के आरोप के कारण कांग्रेस असहज हो जाती है, आज कांग्रेस ने फिर से उसी रास्ते पर कदम बढ़ाने को अपनी नियति मान लिया है। हालांकि कांग्रेस ने आनन फानन में राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाकर यह तो सन्देश दिया ही है कि भारत में रायबरेली ही राहुल गांधी के लिए सबसे सुरक्षित लोकसभा सीट है। यहाँ कांग्रेस का परम्परागत मतदाता है, वहीं यह क्षेत्र नेहरू गांधी परिवार की विरासत भी है। कहा जाता है कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति अगर अपनी विरासत को विस्मृत कर देता है, तो उसे नए सिरे से अपनी ज़मीन तैयार करनी पड़ती है। और अगर विरासत के आधार पर अपने कदम बढ़ाता है तो उसकी आधी राह आसान हो जाती है। राहुल गांधी के सामने तमाम सवाल होने के बाद भी ऐसा लगता है कि उन्होंने अपनी आधी बाधा को पार कर लिया है। रायबरेली को कांग्रेस का गढ़ इसलिए भी माना जाता है कि क्योंकि यहाँ से इंदिरा गांधी के पति फिरोज खान दो बार सांसद रहे, उसके बाद इंदिरा गांधी भी सांसद रहीं। अब पिछले पांच बार से सोनिया गांधी लोकसभा का चुनाव जीती हैं। मजेदार बात यह भी है कि वर्ष 1977 के आम चुनाव में जनता लहर में इंदिरा गांधी को भी पराजय का दंश भोगना पड़ा। उसके बाद एक बार भाजपा ने भी परचम लहराया है। इसलिए यह कहा जाना कि रायबरेली में कांग्रेस आसानी से विजय प्राप्त करेंगी, कठिन ही है। आज कांग्रेस की स्थिति देखकर यह भी कहने में गुरेज नहीं होना चाहिए कि आज की कांग्रेस के पास इंदिरा गांधी जैसा नेता नहीं है। ज़ब इंदिरा गांधी चुनाव हार सकती हैं, तब आज तो कांग्रेस की स्थिति बहुत कमजोर है। ऐसा तो तब हुआ, ज़ब उत्तरप्रदेश में समाज़वादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का कोई अस्तित्व नहीं था, इसलिए कांग्रेस उत्तरप्रदेश में अच्छी खासी जीत हासिल करती थी। लेकिन अब उत्तरप्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य बदला हुआ है। अब कांग्रेस के पास पहले जैसा वोट बैंक भी नहीं है, हालांकि इस चुनाव में सपा का समर्थन कांग्रेस के पास है, इसलिए चुनाव में सपा के कार्यकर्ता भी राहुल का प्रचार करेंगे, ऐसे में निश्चित ही कांग्रेस का वजूद बढेगा ही, यह तय है, लेकिन कितना बढ़ेगा, यह कहने में जल्दबाजी ही होगी।

वर्तमान में कांग्रेस के लिए यह पेचीदा सवाल ही था कि कांग्रेस की ओर से अमेठी और रायबरेली से किसको प्रत्याशी घोषित किया जाए, क्योंकि इन दोनों सीटों पर प्रथम तो गांधी परिवार का पुख्ता दावा बनता था। इसलिए दोनों क्षेत्रों में से किसी एक से प्रियंका वाड्रा को चुनाव मैदान में उतारने की क़वायद भी की जा रही थी, लेकिन प्रियंका को इस बार चुनाव लड़ने से दूर कर दिया। लेकिन सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या राहुल गांधी के रायबरेली से उम्मीदवार बनाए जाने के बाद कांग्रेस अमेठी के चुनाव को गंभीरता से लेगी, क्योंकि अब कांग्रेस का पूरा जोर राहुल गांधी को जिताने में लगेगा। राहुल गांधी को जिताना कांग्रेस की मज़बूरी है, क्योंकि अब राहुल गांधी ही नहीं, पूरी कांग्रेस की साख दांव पर लगी है। अगर कांग्रेस रायबरेली से चुनाव हारती है तो देश में कांग्रेस के बारे में गलत सन्देश जाऐगा। यहां पर एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी आ रहा है कि राहुल गांधी द्वारा पिछले चुनाव में भी दो स्थानों से चुनाव लड़े थे, जिसमें अमेठी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब वायनाड से उम्मीदवारी के बाद रायबरेली की रुख करके फिर से संदेह को जन्म दिया है। ऐसा लग रहा है कि इस बार वायनाड का चुनाव बहुत ही टक्कर का माना जा रहा है। कुछ खबरें तो राहुल गांधी के हारने तक की बात कह रही हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि इसलिए ही राहुल गांधी को फिर से दो स्थानों से चुनाव लड़ाया जा रहा है। राहुल गांधी का उत्तरप्रदेश से चुनाव लड़ना कोई नया नहीं है, वे अमेठी से भी चुनाव लड़ चुके हैं। इसलिए उनके नाम का जादू कोई नया प्रभाव छोड़ेगा, यह पूरी तरह विश्वास के साथ नहीं कहा जा सकता।

- सुरेश हिन्दुस्थानी,
वरिष्ठ पत्रकार

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष : अमावस्या — (विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) भाग्य साथ देगा। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। यात्रा में लाभ होगा। स्वास्थ्य में थोड़ा बेहतर परिणाम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो) चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। बचकर पार करें।

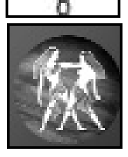
मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा) जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे।

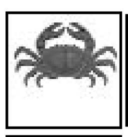
कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा) शत्रु परास्त होंगे। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति करेंगे। स्वास्थ्य की स्थिति नरम गरम।

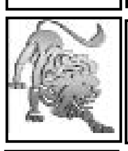
सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे) भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

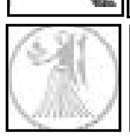
कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी संभव है। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी। व्यापार भी अच्छा।

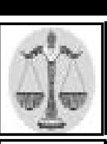
तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त) व्यापारिक लाभ होगा। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम-संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है।

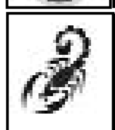
वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू) धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

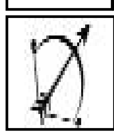
धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे) सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

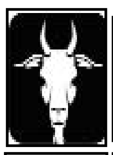
मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी) मन चिंतित रहेगा। खर्चे को लेकर परेशान रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा क्योंकि सिरदर्द व नेत्रपीड़ा संभव है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द) अच्छे समाचार की प्राप्ति हुई होगी। यात्रा में लाभ होगा। धन-धान्य से परिपूर्ण होंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा दिख रहा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि) शासन सत्ता पक्ष का सहयोग मिलेगा। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

विपक्ष को जमानत बचाने के पड़ेंगे लाले: रवि पंडित

डा. महेश शर्मा को हर वर्ग का मिला अपार जनसमर्थन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के नेता रवि पंडित (हबीबपुर) ने दावा किया है कि गौतम बुद्ध नगर लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा की ऐतिहासिक जीत होने जा रही है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर महेश शर्मा के विकास कार्य को देखते हुए एवं राष्ट्रवाद के मुद्दे पर गौतमबुद्ध नगर की जनता ने अभार जन समर्थन दिया है।

रवि पंडित ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से सर्व समाज को एक साथ में लेकर चलने में विश्वास रखती है और आज उसी का फायदा भाजपा को मिलने जा रहा है और भाजपा 400 से अधिक सीट जीत कर केंद्र में प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जैसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तभी से गुंडे माफियाओं के साथ-साथ विकास की गत भी तेज हो गई है रवि पंडित ने कहा कि गौतमबुद्धनगर के पांचों विधानसभा क्षेत्र में विकास के काम तेजी से हुए हैं।

उन्होंने कहा कि जब से महेश शर्मा गौतमबुद्धनगर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। तब से विकास की गति काफी तेज हुई है और जमीन पर भी दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि गौतमबुद्धनगर में विपक्ष पूरी तरह से समाप्त है और विपक्ष को अपने जमानत बचाने की भी लाले पड़ेंगे।

कुणाल हत्याकांड का जल्द नहीं हुआ पर्दाफाश तो सपा करेगी आंदोलन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ढाबा संचालक कृष्ण कुमार शर्मा के 15 वर्षीय पुत्र के कुणाल की हत्या कर शव नहर में फेंक देने के मामले में मंगलवार को समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के नेतृत्व में पीड़ित परिवार के आवास पर पहुंचा और मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि कुणाल हत्याकांड में पुलिस पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है, यदि पुलिस मामले की गंभीरता को समझती तो कुणाल आज जिंदा होता।

नोएडा पुलिस की उदासीनता और गलत कार्यशैली के कारण आज गौतम बुद्ध नगर जिले में अपराधियों के हौसले बढ़े हुए हैं। उन्होंने कुणाल हत्याकांड का शीघ्र पर्दाफाश कर हत्या में शामिल दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने और लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी इस दुख की घड़ी में कृष्ण कुमार शर्मा के परिवार के साथ खड़ी है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पार्टी उनकी लड़ाई लड़ेगी और कहा कि यदि अगले 2 दिन में इस घटना का खुलासा नहीं हुआ तो समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

इस मौके पर मुख्य रुप से इंडिया गठबंधन लोकसभा प्रत्याशी डॉ महेंद्र नागर, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नरेंद्र नागर, जिला पंचायत सदस्य सुनील भाटी, कृशांत भाटी, राजेश रोही, रोहित मत्ते गुर्जर, हैप्पी पंडित, अक्षय सिंह भाटी, लोकेश जनमेदा, समय भाटी, अलीम सलमानी, धारा सिंह आदि मौजूद रहे।

गोष्ठी का किया आयोजन

दादरी (चेतना मंच)। उम्मीद संस्था ने रविंद्र नाथ टैगोर की जयंती के मौके पर शिक्षा तथा पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए गोष्ठी का आयोजन किया श्री रविंद्र नाथ टैगोर का कहना था राष्ट्र का प्रत्येक बच्चा शिक्षित होगा वही राष्ट्र विश्व गुरु बन सकता है। उम्मीद संस्था के संस्थापक एवं संयोजक डॉ देवेंद्र कुमार नागर ने कहा कि शिक्षा और चिकित्सा आम आदमी की पहुंच से दूर हो रही है सरकार तथा प्रशासन को इस पर अंकुश लगाने की जरूरत है। क्षेत्र का वायु प्रदूषण उच्च स्तर पर है इसको काम करने के लिए हम सभी को अधिक से अधिक पौधारोपण करना होगा।

किसान नेता राजकुमार रूपवास ने कहा जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उम्मीद संस्था ने 20 बच्चों को विभिन्न कक्षाओं की पुस्तक निशुल्क उपलब्ध कराई जिससे पुस्तकों के अभाव में किसी बच्चे की शिक्षा न रुके जागेश कुमार ने बताया कि निशुल्क पुस्तक बैंक 13700 बच्चों को पुस्तक देकर उनके सपनों को पूर्ण करने का प्रयास कर चुकी है और भविष्य में भी जरूरतमंद बच्चों को पुस्तक के उपलब्ध कराते रहेंगे।

इस मौके पर मुख्य रूप से जयपाल सिंह अध्यक्ष, राजवीर शास्त्री, जागेश कुमार, देशराज मुकदम, मास्टर ब्रह्म सिंह, मास्टर हुकम सिंह आर्य, समाजसेवी नेपाल कसाना जी प्रियंका जैन मास्टर बालचंद, नंदकिशोर, अनिल प्रधान, डॉ देवेंद्र कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

सेक्टर-151 स्थित जेपी अमन सोसायटी में स्टोर का उद्घाटन करते एओए के अध्यक्ष एवं भाजपा नेता योगेश सिंह।

भाकियू (बलराज) संगठन के बैनर तले अनिश्चितकालीन धरना सेक्टर-142 शहदरा गांव में 85वे दिन भी जारी रहा।

महिला की चाकू मारकर हत्या

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के अभय खंड के शनि चौक पर महिला की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हमले में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया बताया जाता है कि वह मृतक महिला का पति है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक महिला ज्योति अपने मायके इंदिरापुरम के मकनपुर में आई थी। पुलिस का कहना है कि अभय खंड के शनि चौक पर किसी बात को लेकर वहां उनके परिचितों से विवाद हो गया। तभी बॉबी नाम के व्यक्ति ने चाकू से हमला कर दिया। चाकू लगने से ज्योति और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। ज्योति को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है हत्यारोपित को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी स्वतंत्र सिंह का कहना है कि हत्या आरोपी से पूछताछ की जा रही है और हत्या का कारण का खुलासा जल्द कर दिया जाएगी।

भाजपा का बूथ सम्मेलन आयोजित

भदोही (चेतना मंच)। भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी डॉक्टर विनोद बिंद के समर्थन में औराई विधानसभा के द्विवेदी राइस मिल के प्रांगण में कल बूथ सम्मेलन किया गया। जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा सभी बूथ अध्यक्षों सहीत सभी को अंगवस्त्र और टोपी लगाकर सभी का सम्मान किया। जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा भारतीय जनता पार्टी की सरकार आप ही के दम पर आज यहां तक पहुंची है। बूथ अध्यक्ष और पन्ना प्रमुख शक्ति केंद्र के संयोजक यह हमारी शक्ति है। इसी शक्ति की बदौलत तीसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं।

विधानसभा संयोजक नागेंद्र सिंह ने सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी, वरिष्ठ नेता देवेंद्र दुबे, ब्लॉक प्रमुख बबलू सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रियंका बिंद, प्रशांत सिंह चिट्टू, ब्लॉक प्रमुख पूर्व लक्ष्मी बिंद, जिला पंचायत सदस्य मंडल अध्यक्ष वेद मौर्य, राजेश सरोज, दीपम तिवारी, आलोक मिश्रा, प्रदीप सिंह, अखिलेंद्र सिंह, बघेल चिंटू, गोवर्धन राय, अर्चना पटेल, श्याम बिहारी पटेल, राजेश पटेल, राजेंद्र पाल बघेल, कपिल मिश्रा, ओम प्रकाश मौर्य आदि लोग मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

'शहजादे ने अंबानी...

टैंपो भर भरकर आपने पाया है. ये जवाब देना पड़ेगा देश को। प्रधानमंत्री ने कहा, तेलंगाना के गठन के समय यहां के लोगों ने बीआरएस पर भरोसा किया. बीआरएस ने लोगों के सपने तोड़ दिए. कांग्रेस का भी यही इतिहास है. आजादी के बाद कांग्रेस ने भी यही किया. देश डूबे तो डूबे, लेकिन इनके परिवार को कोई फर्क नहीं पड़ता. फैमिली फर्स्ट की नीति की वजह से कांग्रेस ने पीवी नरसिम्हा राव का अपमान किया. उनके निधन के बाद उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस कार्यालय में एंट्री नहीं दी. यह बीजेपी सरकार ने जिसने पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित किया।

तेलंगाना के करीम नगर में पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए एनडीए सरकार की योजनाओं की तारीफ भी की. उन्होंने कहा, पिछले 10 सालों में एनडीए ने हर सेक्टर को आगे बढ़ाने का काम किया है. हम फार्मिंग सेक्टर को मॉर्डनाइज कर रहे हैं. नेचुरल फार्मिंग, नैनो इंडिया और ड्रोन को प्रमोट कर रहे हैं.

'मासूम कुणाल के...

नोएडा की पुलिस कमिश्नर से मुलाकात के दौरान सपा नेताओं ने मासूम कुणाल शर्मा हत्याकांड में पुलिस की लापरवाही पर सवाल उठाए तथा इस चर्चित हत्याकांड के जल्द खुलासे को लेकर एक पत्र पुलिस कमिश्नर को सौंपा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि शीघ्र ही इस हत्याकांड का पर्दाफाश करके आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। समाजवादी पार्टी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अक्षय चौधरी ने बताया कि पुलिस कमिश्नर ने सभी को आश्वासन दिया है कि पुलिस की टीम इस मामले का खुलासा करने के लिए पूरी तत्परता से लगी है तथा शीघ्र ही सभी आरोपी जेल में होंगे। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष फकीरचंद नागर, जिला पंचायत सदस्य सुनील भाटी, सुभाष भाटी, अनूप तिवारी, अंकित चौहान समेत कई नेता मौजूद थे।

माँ व दिव्यांग बेटे...

भेज दिया है। छानबीन कर रही है। परिवार के सदस्यों पर ही हत्या का शक है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

अब तक मिली जानकारी के अनुसार, 65 वर्षीय यशोदा देवी पत्नी हरि नारायण परिवार के साथ गुलाब वाटिका में रहती थीं। उनका तीन मंजिला मकान है। मंगलवार रात भूतल पर उनका बेटा आकाश सोया था। प्रथम तल पर यशोदा देवी 35 वर्षीय बेटे बिजेंद्र के साथ सोई हुई थीं। बिजेन्द्र दिव्यांग था।

द्वितीय तल पर बेटा धर्मेंद्र अपनी पत्नी व बच्चों के साथ सोया था। बुधवार सुबह आकाश ने प्रथम तल पर जाकर देखा तो यशोदा व बिजेंद्र का शव खून से लथपथ पड़ा था। उसने चीखना-चिल्लाना शुरू किया। इस पर परिवार के अन्य सदस्य व पड़ोसी पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई। अब तक हत्या के कारणों का पता नहीं चला है।

मंदबुद्धि ने दो...

को जिन्दा जला दिया। परिजनों ने बताया गया कि घटना में लालाराम के केवल पैर बचे थे। जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

सुबह चारा लेने जा रही महिलाओं ने देखा कि आरोपी नग्न अवस्था में था। उसने खेत पर पानी लगा रहे गफर पुत्र जफ़र उम्र करीब 52 वर्ष के सिर पर जोरदार लाठी से प्रहार किया, जिसमे वह बुरी तरह से घायल हो गया। बाद में गफर की मौत गई। घटना के बाद पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गयी। घटना की सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने उस अज्ञात व्यक्ति को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति को ग्रामीणों ने घेर लिया और उसकी पिटाई लगा दी जिसकी वजह से उसकी भी मौत हो गई। घटना के बाद दोनों मृतकों के शव को थाना पुलिस ने पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि अज्ञात व्यक्ति मंदबुद्धि दिखाई पड़ रहा था। वह हामिदपुर के निकटवर्ती गांव मेहंदीपुर का बताया जा रहा है। पूर्व में वह कब्बडी खेल खेलता था। मौके पर पहुंचे अलीगढ़ एसएसपी संजीव सुमन ने बताया कि एक विक्षिप्त व्यक्ति ने एक व्यक्ति पर हमला किया, फिर उसको जिंदा जलाने का प्रयास किया। उसके बाद अन्य व्यक्ति पर भी हमला किया। दोनों लोगों की मौत हो गई। ग्रामीणों ने आरोपी को भी पकड़ा लिया और उसकी भी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आरोपी का नाम अफजल है।

सीईओ ने लिया...

सेंट लाइन आना, सिविल लाइन की शिफ्टिंग ना होना, कुछ बिल्डिंग बीच में आ जाना और पैसे की तंगी आदि। अब इन समस्याओं को नोएडा अथॉरिटी ने दूर करने के लिए दो कंसलटेंट एजेंसियों को तैनात किया है। ये एजेंसियां इस परियोजना में आने वाली सारी समस्याओं का समाधान करके अथॉरिटी को वगत कराएंगी।

एलिवेटेड रोड की लागत को लेकर उपजे विवाद के कारण इसका काम सात महीने तक बंद पड़ा था। अधिकारियों का दावा है कि अब इसका काम तेजी से चल रहा है। एलिवेटेड रोड के बनने से भंगेल-सलारपुर का जाम खत्म हो जाएगा। आपको बता दें कि इस एलिवेटेड रोड का निर्माण आठ जून 2020 को शुरू हुआ था। प्रस्तावित प्लान के तहत एलिवेटेड रोड का काम सात दिसंबर 2022 तक पूरा कर लिया जाना चाहिए था। लेकिन, इस एलिवेटेड रोड के काम शुरू होने के चार साल बाद भी 70 प्रतिशत ही काम पूरा हो पाया है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने अपनी टीम के साथ भंगेल एलिवेटेड रोड पर पहुंचे जहां पर उन्होंने काम का जायजा लिया है वहीं, इसके काम को जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए हैं।

लापता दो बच्चे...

की लेकिन कोई पता नहीं चला। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तुरंत पुलिस टीम का गठन किया। पुलिस ने इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की सहायता ली तो बच्चे की लोकेशन अमरोहा में मिली। इसके बाद पुलिस की एक टीम अमरोहा पहुंची और बच्चे को वापस नोएडा लेकर आई। परिजनों को बुलाकर बच्चे को उनके सुपुर्द कर दिया गया।

वहीं थाना फेस 2 पुलिस को सूचना मिली कि 2 दिन पहले अलीगढ़ से अपने मामा के साथ ककराला गांव आई 8 वर्षीय बच्ची खेलते हुए लापता हो गई। पुलिस टीम ने बच्ची की तलाश शुरू की और आसपास के थानों से समन्वय स्थापित किया। थाना सूरजपुर पुलिस की सक्रियता और सहयोग से बच्ची को महज 40 मिनट के भीतर सकुशल तलाश कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

किताब लेने गई...

उसकी (17 वर्षीय) बेटी घर से बिना बताए चली गई। उन्होंने जब अपनी बेटी की तलाश की तो पता चला कि उसे पड़ोस के फार्म हाउस में रहने वाला गोविंद व उसका भाई दिनेश बहला फुसलाकर भगा ले गया है।

वहीं थाना सेक्टर 49 क्षेत्र की अंजनी होम सोसाइटी से 13 वर्षीय बच्ची अपने घर से चली गई। सोसाइटी में रहने वाले प्रमोद कुमार (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उनकी (13 वर्षीय) बेटी 7 मई की सुबह घर से बिना बताए चली गई। अपनी बेटी को गायब देखकर उन्होंने उसकी तलाश शुरू की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि परिजनों की शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरियों की तलाश की जा रही है।

'पत्नी पर था...

पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने किसी तरह बीच बचाव कर उसे अरविंद के चंगुल से छुड़ाया। विमलेश का कहना है कि उसका पति अरविंद आए दिन उस पर मायके से दहेज में बाइक व नगदी लाने का दबाव बनता है। उसके द्वारा इनकार करने पर उसके साथ मारपीट की जाती है।

पीड़िता के मुताबिक उसके जेठ महेंद्र, ननद विद्या तथा देवर सुनील भी उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व मारपीट के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

अर्पित मिश्रा बने...

भी बतौर वक्ता उन्हें आमंत्रित किया जाता रहा है।

अर्पित के अलावा गौतमबुद्धनगर से अमित पांडे को भी प्रदेश सोशल मीडिया सदस्य मनोनीत किया गया है। इसके अलावा प्रदेश से हाथरस से रजत पचौरी, लखनऊ से पल्लवी सिंह, हमीरपुर से जगत सिंह प्रजापति, आगरा से श्रेय गौड़, कानपुर से विनय सिंह, औरैया से अभिषेक पोरवाल, कन्नौज से हिमांशु मिश्रा तथा कानपुर देहात से शत्रुघ्न सिंह चंदेल को प्रदेश सोशल मीडिया सदस्य मनोनीत किया है।

संपत्ति के लिए...

आरोपियों ने लाठी-डंडों सरिया व रॉड से पीट-पीट कर देवेंद्र को गंभीर रूप से घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देते फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि संपत्ति विवाद को लेकर उनका भाई व भतीजे उससे रंजिश रखते हैं। इस कारण ही इस वारदात को अंजाम दिया गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में मेहर चंद अवाना व उसके गेस्ट हाउस के मैनेजर सुरेंद्र व जगदीश प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में नामजद दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मकान का ताला...

की चेन, कान के झाले, सोने की चार चूड़ी, एक हा, सात अंगूठी, टॉप्स, पायल, कमर की पेटी चांदी के 10 सिक्के, 40 हजार रूपए कैश तथा 2 किलो सिक्के चोरी कर ले गए हैं। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

फर्जी आधार कार्ड...

उसने जब रजिस्ट्रार कार्यालय में पता किया तो मालूम हुआ कि उसकी जमीन की तीन बार रजिस्ट्री हो चुकी है। रजिस्ट्री के दौरान लगाए गए दस्तावेजों की पड़ताल करने पर पता चला कि जालसाजों ने उसके नाम का फर्जी आधार कार्ड व पैन कार्ड लगाया है। आरोपियों ने जिस अकाउंट में आरटीजीएस के माध्यम से पैसे ट्रांसफर होने दिखाए हैं वह बैंक अकाउंट भी उसका नहीं है। गुरदीप सिंह के मुताबिक रेखा यादव, पुष्पा शर्मा, शकुंतला देवी, कनकलता कुमारी, स्वाती यादव, सुधीर कुमार शर्मा, सरिता सक्सेना, कौशल कुमार सहित अन्य अज्ञात लोगों ने इस पूरे फर्जीवाडे को अंजाम दिया है।

महिला लगा रही...

समझा बुझाकर दरवाजा खुलवाया। इसके बाद पुलिस ने महिला के पति से बात की। पति ने बताया कि मामूली बात पर दोनों के बीच वाद विवाद हो गया था जो खासा बढ़ गया। महिला को थाने लाकर उस की काउंसलिंग की गई। इसके बाद महिला को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई से महिला की जान बच गई। पुलिस के इस कार्य की स्थानीय लोगों ने खासी सराहना की है।

सीआईआई एग्रो टेक इंडिया अब बना सीआईआई कृषि भारत

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने आज घोषणा की कि भारत के प्रमुख कृषि और खाद्य प्रौद्योगिकी मेले, सीआईआई एग्रो टेक इंडिया, जिसे अब कृषि भारत के नाम से जाना जाता है, का 16वां संस्करण 15 से 18 नवंबर 2024 तक लखनऊ में आयोजित किया जाएगा।

सीआईआई कृषि भारत ने चंडीगढ़ में 15 सफल संस्करण देखे हैं, जिन्होंने पड़ोसी क्षेत्रों के किसानों और कृषि-तकनीकी हितधारकों को एकजुट किया है। इस वर्ष, खेती और कृषि क्षेत्र में और भी व्यापक दर्शकों तक पहुंचने का लक्ष्य रखते हुए, सीआईआई ने अपना ध्यान उत्तर प्रदेश पर केंद्रित किया है।

सीआईआई कृषि भारत के साथ साझेदारी के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद देते हुए, सीआईआई उत्तरी क्षेत्र के अध्यक्ष और जेके सीमेंट लिमिटेड के उप प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री माधव सिंघानिया ने साझा किया, सीआईआई में, हमारा उद्देश्य हमेशा सरकार और नीति निर्माताओं के परामर्श से नीतिगत मुद्दों को हल करना रहा है, जो कृषि में प्रौद्योगिकी को उन्नत करने, कृषक समुदाय को विशिष्ट कौशल प्रदान करने और कृषि पारिस्थितिकी तंत्र की दीर्घकालिक स्थिरता में मदद करता है। सीआईआई कृषि भारत सीआईआई का एक ऐसा प्रयास है।

इस मेगा इवेंट के बारे में विवरण साझा करते हुए, सीआईआई कृषि भारत 2024 के अध्यक्ष और त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री तरुण साहनी ने कहा, सीआईआई एग्रो टेक इंडिया, अब कृषि भारत, सीआईआई का एक प्रमुख कार्यक्रम है जो भारत की कृषि शक्ति का एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन है। यह आयोजन कृषि, खाद्य और पशुधन क्षेत्रों में बेहतरीन नवाचारों और प्रगति को एक साथ लाएगा और ज्ञान के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करेगा जो वैश्विक प्रदर्शन के माध्यम से क्षमताओं को बढ़ाएगा।

इस पहल के माध्यम से, सीआईआई अपने किसानों और हितधारकों के लिए सतत विकास और समृद्धि सुनिश्चित करते हुए देश के कृषि क्षेत्र को और ऊपर उठाना चाहता है। श्री साहनी ने कहा कि यह भारत के अंतर्राष्ट्रीय कृषि शो का 16वां संस्करण होगा, जो लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे G20

निविदा सूचना सं0: JHS/Br/L/2024-25/03 दिनांक: 30.04.2024

ई-निविदा सूचना

(टू पैकेट सिस्टम)

उप मुख्य इन्जी./ब्रिज/लाइन/ उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **30.05.2024** को **15.00** बजे तक आमंत्रित की जाती है । कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

निविदा सूचना सं0: Br-JHS-2024-05	**अनुमानित मूल्यः (₹):** 41.12 crore/-
कार्यों का विवरणः झाँसी मण्डल के बीना-झाँसी सेक्शन में किमी 1009/8-10 पर लेवल क्रासिंग संख्या 319 के स्थान पर रोड ओवर ब्रिज का निर्माण। ।	
बयाने की रकम (₹): 22,06,200/-	**कार्य समापन की अवधिः** 18 महीना

निविदा बन्द होने की तिथिः 30.05.2024, **सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधारः** किसी भी प्रकार के पुल का निर्माण। **नोटः 1.** उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर समय 15:00 बजे तक निविदा बंद की तिथि दिनांक **30.05.2024** तक उपलब्ध है। **2.** उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act 2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सिय लरेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। **4.** संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। **5.** बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेट वे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी । **6.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **7.** आनलाइन निविदा दिनांक **30.05.2024** 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 796/24 (ADM)

@CPRONCR North central railways @cproncrly @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

खास खबर

संसेक्स 383 अंक गिरकर 73,511 और निफ्टी 22,302 के स्तर पर बंद

मुंबई, एजेंसी। मंगलवार को हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत के बाद शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 383 अंकों की गिरावट के साथ 73,511 के स्तर जबकि निफ्टी 140 अंकों की गिरावट के साथ 22,302 के स्तर पर बंद हुआ। आज सुबह 9-18 बजे, सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत बढ़कर 73,954.96 पर खुला था, जबकि निफ्टी 50 0.13 प्रतिशत बढ़कर 22,471.95 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले कल यानी 6 मई को शेयर बाजार में सपाट कारोबार देखने को मिला था। सेंसेक्स 17 अंक की तेजी के साथ 73,895 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में 33 अंक की गिरावट रही, ये 22,442 के स्तर पर बंद हुआ था।

भारत ने मॉरीशस को 14,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मॉरीशस को 14,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को मंजूरी दे दी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से मॉरीशस को 14,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल निर्यात किए जाने की अनुमति दी गई है। सरकार ने घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए 20 जुलाई, 2023 से ही गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया हुआ है लेकिन कुछ देशों को अनुरोध पर उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतें पूरा करने के लिए सरकार निर्यात की अनुमति देती है। इससे पहले भारत ने तंजानिया, जिबूती और गिनी-बिसाऊ सहित कुछ अफ्रीकी देशों को इस चावल के निर्यात की अनुमति दी है। इसके अलावा नेपाल, कैमरून, कोटे डि-आइवरी, गिनी, मलेशिया, फिलिपीन और सेशेल्स जैसे देशों को भी गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी गई थी। एनसीईएल कई राज्यों में सक्रिय एक सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ प्रमुख सहकारी समितियों अमूल, इफ्को, कृभको और नैफेड के जरिये संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

रेखा झुनझुनवाला को शेयर बाजार में हुआ बड़ा नुकसान, शेयर के टूटने से 800 करोड़ डूबे

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक रहे दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला को सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान 800 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। उन्हें यह नुकसान टाटा समुह के स्वामित्व वाली कंपनी टाइटन के शेयरों के टूटने से हुआ है। टाटा समूह के इस शेयर पर झुनझुनवाला परिवार ने बड़ा निवेश कर रखा है। झुनझुनवाला परिवार की टाइटन में करीब 5.35त्न हिस्सेदारी 31 मार्च 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार झुनझुनवाला परिवार की टाइटन में करीब 5.35त्न की हिस्सेदारी थी। शुक्रवार को बाजार की क्लोजिंग के दौरान टाइटन के शेयरों में उनकी होल्डिंग का कुल मूल्य 16,792 करोड़ रुपये था। सोमवार को टाइटन के शेयर 7त्न तक टूट गए। मार्च तिमाही के नतीजों के बाद निवेशकों में टाइटन के शेयरों में खरीदारी के प्रति निराशा दिखी। इस गिरावट से झुनझुनवाला परिवार को खासा नुकसान उठाना पड़ा। उन्हें टाटाइन के शेयर कमजोर होने से करीब 800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान टाइटन के शेयर 3,352.25 के अपने निचले स्तर पर पहुंचने के बाद 3281.65 रुपये पर बंद हुए।

देश की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर, इंडिया रेटिंग ने बढ़ाया जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान

मुंबई एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारत की अर्थव्यवस्था का लोहा रेटिंग एजेंसियां भी मान रही हैं। डोमेस्टिक रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए देश की जीडीपी की ग्रोथ रेट के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है। यह अनुमान रिजर्व बैंक के 7 फीसदी के अनुमान से थोड़ा ज्यादा है। डोमेस्टिक रेटिंग एजेंसी ने बयान में कहा कि सरकारी कैपेक्स बने रहने, कॉरपोरेट और बैंकिंग सेक्टर के बैलेंस शीट में कर्ज की कमी और आरंभिक प्राइवेट कॉरपोरेट कैपेक्स से मिले मजबूत सपोर्ट ने उसे ग्रोथ अनुमान में संशोधन करने के लिए मजबूर किया है।

क्या है बदलाव करने की वजह

इसके साथ ही रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कंजप्शन डिमांड का व्यापक बेस नहीं होना और ग्लोबल लेवल पर सुस्त वृद्धि के कारण निर्यात में आने वाली बाधाएं भारत की जीडीपी वृद्धि को सीमित कर सकती है। एजेंसी ने उम्मीद जताई कि प्राइवेट फाइनल कंजप्शन एक्सपेंडिचर में वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 7 फीसदी हो जाएगी, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 3 फीसदी थी। यह 3 साल का उच्चतम स्तर होगा।

कमजोर बनी हुई है रूरल कंजप्शन

इस रिपोर्ट में मौजूदा कंजप्शन डिमांड को अत्यधिक विषम बताते हुए कहा गया है कि यह उच्च आय वर्ग से संबंधित परिवारों द्वारा बड़े पैमाने पर कंज्यूम्ड की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं से प्रेरित है जबकि रूरल कंजप्शन कमजोर बनी हुई है। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि सामान्य से बेहतर मानसून रहने से गेहूं की सरकारी खरीद के चालू वित्त वर्ष में 3.7 करोड़ टन रहने पर कंजप्शन बढ़ सकती है। पिछले वित्त वर्ष में गेहूं की खरीद 2.6 करोड़ टन रही थी।

विंसॉल इंजीनियर्स लिमिटेड का आईपीओ 9 मई 2024 को बंद होगा

विंसॉल इंजीनियर्स लिमिटेड का आईपीओ 6 मई, 2024 को खुलेगा। मुंबई, एजेंसी। विंसॉल इंजीनियर्स लिमिटेड की शुरुआत पहले विंसॉल इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जामनगर में हुई थी। बाद में 21 दिसंबर, 2023 को कंपनी का नाम बदलकर विंसॉल इंजीनियर्स लिमिटेड कर दिया गया। जामनगर स्थित विंसोल इंजीनियर्स लिमिटेड एक एकीकृत इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण और कमीशनिंग कंपनी है जो पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन कंपनियों के लिए बैलेंस ऑफ प्लांट (बीओपी) समाधान प्रदान करती है। बीओपी सॉल्यूशंस के लिए कंपनी की मुख्य सेवाओं में नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में अपने ग्राहकों के साथ फाउंडेशन कार्य, सबस्टेशन सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्य, राइट-ऑफ-वे सेवा, सबस्टेशन और ग्रिड केबलिंग और विविध कार्य शामिल हैं।

मैक्रोटेक डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष में 17 आवासीय परियोजनाएं करेगी पेश

नई दिल्ली, एजेंसी। मैक्रोटेक डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 17 आवासीय परियोजनाएं शुरू करेगी, जिनकी राजस्व क्षमता 12,000 करोड़ रुपए होगी। इससे कंपनी की बिक्री बुकिंग को बढ़ावा मिलेगा, जो 2023-24 में मजबूत मांग के दम पर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। निवेशकों के अनुसार, लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियों का विपणन करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स 2024-25 में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे तथा बेंगलुरु में 10 नई परियोजनाएं और मौजूदा आवासीय परियोजनाओं में सात नए चरण शुरू करेगा। पेश किए जाने वाले कुल क्षेत्रफल का अनुमान 1.01 करोड़ वर्ग फुट है, जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 12,100 करोड़ रुपए है। हालांकि, कंपनी ने कहा कि इस वित्त वर्ष में पेश होने वाली परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शन बढ़ सकता है, क्योंकि वह अधिक भूमि अधिग्रहण कर सकती है और इसी वित्त वर्ष में पेश करने में सक्षम हो सकती है। भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक मैक्रोटेक डेवलपर्स ने चालू वित्त वर्ष में 17,500 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति बेचने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। इसने अपनी बिक्री बुकिंग (जिसे प्री-सेल्स भी कहा जाता है) में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 14,520 करोड़ रुपए हो गई जो 2022-23 में 12,060 करोड़ रुपए थी।

मैक्रोटेक डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक लोढ़ा ने कहा कि कंपनी ने 2024-25 में 10,000 से अधिक अपार्टमेंट वितरित करने का लक्ष्य रखा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा करीब 8,200 इकाई था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कंपनी ने मजबूत आवासीय मांग के बीच पूर्व-बिक्री, नई भूमि अधिग्रहण और ऋण में कमी से संबंधित 2023-24 के अपने सभी प्रमुख लक्ष्यों को हासिल कर लिया है।

वैश्विक व्यापार मेलों में भागीदारी, नए देशों से संपर्क से परिधान निर्यात को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक व्यापार मेलों में भागीदारी और पोलैंड, मैक्सिको तथा ब्राजील जैसे नए देशों में मांग का दोहन करने जैसे कदमों से भारत से परिधान निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। ये उपाय उस विस्तृत रणनीति का हिस्सा हैं जिस पर परिषद निर्यात को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने 2030 तक निर्यात को 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। एईपीसी के चेयरमैन सुधीर सेखरी ने कहा, ''हम चालू वित्त वर्ष में सभी महाद्वीपों में 17 अंतरराष्ट्रीय मेलों में हिस्सा लेने की योजना बना रहे हैं। इस वर्ष हम जिन नए गंतव्यों को लक्ष्य कर रहे हैं, उनमें अमेरिका, ब्रिटेन तथा यूरोपीय संघ जैसे पारंपरिक बड़े देशों के अलावा सऊदी अरब, पोलैंड, मैक्सिको, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और रूस शामिल हैं। उन्होंने कहा कि फरवरी 2024 में 'भारत टेक्स (केंद्र सरकार और परिधान उद्योग के बीच एक अनूठा सहयोग) के पहले संस्करण की सफलता के बाद अगले साल की शुरुआत में दूसरे संस्करण के जरिए दुनिया भर के खरीदारों तक पहुंच बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। एईपीसी ने तीन मई को यहां एनसीआर स्थित प्रमुख खरीद एजेंसियों, विदेशी खुदरा विक्रेताओं के संपर्क कार्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया। कपड़ा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, अतिरिक्त सचिव रोहित कंसल और व्यापार सलाहकार शुभ्रा ने अपने इसमें विचार साझा किए। बैठक में 2030 तक 40 अरब अमरीकी डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ब्रांडों और खरीद घरानों के साथ अधिक से अधिक जुड़ाव की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में फ्री सर्टिफाइड सोना मसूरी पैडी (धान) सीड्स डिस्ट्रिब्यूशन इनिशिएटिव लॉन्च की

जम्मू, एजेंसी। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने एक अग्रणी पहल की घोषणा की है जिसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में सर्टिफाइड सोना मसूरी धान के बीजों के मुफ्त वितरण के द्वारा किसानों को सपोर्ट करना है, जो क्षेत्र में किसानों के बीच अपनी हाई क्वॉलिटी और उपज क्षमता के लिए जाने जाते हैं। सर्वेश्वर का लक्ष्य एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड चावल की किस्मों के बीज उपलब्ध करवाकर कृषक समुदाय को सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम के तहत सर्वेश्वर खरीद सुविधा केन्द्र में सोना मसूरी धान के सर्टिफाइड सीड्स का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। यह इनिशिएटिव स्थानीय कृषक समुदायों को मज़बूत बनाने और क्षेत्र में एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए सर्वेश्वर फूड्स के समर्पण को दर्शाती है।

जम्मू और कश्मीर में किसानों के सामने आने वाले इकनॉमिक चैलन्जेस के मद्देनजर, सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड के अध्यक्ष श्री रोहित गुप्ता ने एक कम्पैशनट इनिशिएटिव की घोषणा की है। एग्रीकल्चरल स्पेशलिस्ट टीम की देख-रेख में सर्वेश्वर ने निःशुल्क धान बीज वितरण का संकल्प लिया है। यह वितरण विशेष रूप से जम्मू के गैर-बासमती उत्पादक क्षेत्रों को टार्गेट करेगा। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य राज्य में किसानों के कल्याण और हितों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें समर्थन देना है। सोना मसूरी चावल मध्यम अनाज वाले चावल की एक किस्म है जो मुख्य रूप से दक्षिणी भारत में उगाया जाता है। सोना मसूरी चावल के यूनिक फीचर्स में से एक इसकी फ्लेवर्स और स्पाइसेस को आसानी से एब्जॉर्ब (अवशोषित) करने की क्षमता है, जो इसे विभिन्न प्रकार के भारतीय व्यंजन तैयार करने के लिए एक आइडियल इनग्रेडिएंट बनाती है। इसके अतिरिक्त, चावल की अन्य किस्मों की तुलना में इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है

एनर्जी मिशन मशीनरीज की पब्लिक इश्यू से रु. 41.15 करोड़ जुटाने की योजना; आईपीओ 9 मई को खुलेगा

कंपनी रू. 131 से रु. 138 प्रति शेयर के प्राइज बैंड में रु. 10 अंकित मूल्य के 29.82 लाख इक्विटी शेयर जारी करेगी; शेयर एनएसई के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे

अहमदाबाद , एजेंसी। शीट मेटल मशीनरी की विविध रेंज के डिजाइन और निर्माण में अहमदाबाद स्थित अग्रणी कंपनी एनर्जी मिशन मशीनरीज (इंडिया) लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 41.15 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 9 मई को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुला है और 13 मई को बंद होगा। पब्लिक इश्यू की आय का उपयोग कंपनी की विस्तार योजनाओं को फंड देने के लिए किया जाएगा, जिसमें गुजरात के साणंद में मौजूदा मेन्युफेक्चरिंग यूनिट में सिविल कन्स्ट्रक्शन वर्क, नए प्लान्ट और मशीनरी, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताएं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य को पूरा करना शामिल है। हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है।

आईपीओ में पब्लिक इश्यू के लिए रु. 131 से रु. 138 प्रति इक्विटी शेयर के प्राइज बैंड में रु. 10 अंकित मूल्य के 29.82 लाख इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू शामिल है। रु. 41.15 करोड़ की इश्यू आय में से कंपनी की योजना रु. 6.86 करोड़ का उपयोग गुजरात के अहमदाबाद जिले के साणंद में स्थित मौजूदा विनिर्माण इकाई में सिविल कन्स्ट्रक्शन वर्क के लिए, रु. 7.43 करोड़ नए प्लान्ट और मशीनरी की स्थापना के लिए, रु. 15 करोड़ कार्यशील पूंजी की जरूरते के लिए करने की है। एप्लिकेशन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1000 शेयर है जो प्रति एप्लिकेशन रु. 1.38 लाख के निवेश के बराबर है। आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक कोटा नेट ऑफर के 35 प्रतिशत से कम नहीं रखा गया है, एचएनआई क्वोटा ऑफर के 15 प्रतिशत से कम नहीं रखा गया है और क्यूआईबी हिस्सा नेट ऑफर के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं रखा गया है। मार्केट मेकर का हिस्सा 1.50 लाख इक्विटी शेयर रखा गया है। एनर्जी मिशन मशीनरीज (इंडिया) सीएनसी, एनसी और कन्वेन्शनल मेटल फोर्मिंग मशीनों का डिजाइन और निर्माण करती है जो औद्योगिक क्षेत्र की मेटल फेब्रिकेशन सॉल्युशन्स की आवश्यकता को पूरा करती हैं। कंपनी की मेटल फोर्मिंग मशीनों की श्रृंखला में प्रेस ब्रेक मशीन, शियरिंग मशीन, प्लेट रोलिंग मशीन, आयरनवर्कर मशीन, हाइड्रोलिक प्रेस और बसबार बेंडिंग, कटिंग और पंचिंग मशीनें शामिल हैं। कंपनी की मशीनें विभिन्न उद्योगों में उपयोग की जाती हैं, जिनमें ऑटोमोटिव, स्टील, प्री-इंजीनियर्ड इमारतें, फर्नीचर, एचवीएसी, कृषि उपकरण, सड़क निर्माण उपकरण, लिफ्ट, फूड प्रोसेसिंग मशीनरी, मेटल वर्किंग वर्कशोप्स आदि शामिल हैं। एनर्जी मिशन मशीनरीज (इंडिया) ने भारत में 20 से अधिक राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में ग्राहकों को अपनी प्रोडक्ट्स बेची हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने अमेरिका, स्विट्जरलैंड, रूस, नेपाल, केन्या, युगांडा, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और मध्य पूर्व के अन्य देशों सहित दुनिया भर के कई देशों में अपनी प्रोडक्ट्स का निर्यात किया है।

एक्सालियॉन एक्टिव की शक्ति से लैस एफिकॉन बीएएसएफ भारतीय किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है

सागर । छेदकर रस चूसने वाले कीट भारत में कृषि फसलों के लिए बड़ा संकट पैदा करते हैं, जिससे उत्पादकता और फसलोपज में 35 से 40प्रतिशत तक भारी नुकसान पहुँचता है. अब भारतीय किसान आज लॉन्च किए गए बीएएसएफ के नए कीटनाशक एफिकॉन की सहायता से इस मुश्किल भरी चुनौती पर काबू पा सकते हैं. एफिकॉन एक विशेष फॉर्मूलेशन में बीएएसएफ के नए एक्टिव इंग्रीडिएंट एक्सालियॉन की शक्ति से लैस है। अनूठी क्रियाविधि रखने वाला एफिकॉन कीटनाशक नए आईआरएसी समूह 36 के तहत बाजार में पेश किए गए उन पहले कंपाउंड्स में से एक है, जो पूरी तरह से कीटनाशकों की एक नई श्रेणी (समूह 36-पायरिडाजाइन) का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका बाजार में मौजूदा उत्पादों के साथ कोई ज्ञात क्रॉस-रेजिस्टेंस नहीं है, जिससे यह एक श्रेष्ठतर कीटनाशक प्रतिरोध प्रबंधन का साधन बन जाता है। पहली बार 2023 में ऑस्ट्रेलिया में एफिकॉन कीटनाशक लॉन्च किया गया था. भारत दुनिया के उन कुछ देशों में से एक है, जहाँ इतनी जल्दी यह नई केमिस्ट्री उपलब्ध होने जा रही है, जिससे किसानों को मुश्किल चुनौती पेश करने वाले रस चूसने वाले कीटों पर काबू पाने में मदद मिलेगी। एशिया पैसिफिकस्ट्रेटजी के अनुरूप, बीएएसएफ खास तौर से स्थानीय बाजार की जरूरतों के लिए समाधान विकसित कर रहा है. बीएएसएफ एग्रीकल्चरल सॉल्यूशंस, एशिया पैसिफिककी सीनियरवाईसप्रेसिडेन्टसिमोन बर्ग ने कहा बीएएसएफ में, हम जो कुछ भी करते हैं वह कृषिकार्य के प्रति लगाव के चलते करते हैं. हम किसानों की जरूरतों को समझने के लिए किसानों की आवाज़ सुनकर काम करने के प्रति समर्पित हैं, जिससे कि फसलों को कीटों से बचाने और उत्पादकता बढ़ाने की मुश्किल चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने में उनकी मदद करने के लिए हम अपनी विशेषज्ञता का प्रयोग कर धरती पर सबसे बड़े काम में सहायता प्रदान कर सकें। एफिकॉन कीटनाशक की एक महत्वपूर्ण खूबी इसकी अनूठी क्रियाविधि है. यह चेपा, फुदका और सफेद मक्खियों जैसे कीटों के जीवनकाल की कई अवस्थाओं पर अत्यधिक असरदार है. प्रयोग किए जाने पर, एफिकॉन से तुरंत कीटों द्वारा भक्षण कर पौधों को चोट पहुँचाना रूक जाता है. यह अपने प्रणालीगत गुणों के कारण लंबे समय तक चलने वाला अवशिष्ट नियंत्रण प्रदान करता है। अपने प्रणालीगत गुणों के चलते, एफिकॉन नई फसल की बढ़वार के लिए भी लंबे समय तक चलने वाला अवशिष्ट नियंत्रण प्रदान करता है. बीएएसएफ इंडिया के एग्रीकल्चरल सॉल्यूशंस के बिजनेस डायरेक्टर गिरिधर रानुवा ने कहा यह नवाचार दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के रस चूसने वाले कीटों को काबू में लाने में किसानों की मदद करने की बीएएसएफ की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है. एफिकॉन से भारतीय किसानों को कपास और सब्जियों जैसी विभिन्न प्रकार की फसलों में कीटों पर असरदार नियंत्रण पाने और लंबी अवधि की सुरक्षा में मदद मिलेगी. लेबल पर दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रयोग किए जाने पर एफिकॉन परागणकों सहित गैर-लक्षित सजीवों और लाभकारी कीड़ों के लिए भी अत्यधिक अनुकूल है। एफिकॉन की सहायता से यह उपलब्धि ऐसा कीटनाशक पोर्टफोलियो विकसित करने के हमारे लक्ष्य के अनुरूप है, जिससे दुनिया भर के किसानों को मदद मिलेगी.

रैपिडो और मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन कार्यालय की पहल मतदाताओं को प्रदान करेगी परिवहन सेवाएं

आम चुनाव 2024 के दौरान भोपाल में मतदाताओं के लिए लाए मुफ्त बाईक टैक्सी राईड्स और रैली का किया आयोजन

भोपाल। देश के लोकतांत्रिक ढांचे को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता के साथ भारत के प्रमुख कम्यूट ऐप रैपिडो ने राष्ट्र के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हुए 'सवारी जिम्मेदारी की' पहल का लॉन्च किया है। मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचय कार्यालय के सहयोग से रैपिडो 7 मई 2024 को भोपाल के मतदाताओं के लिए मुफ्त बाईक टैक्सी राईड उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा रैपिडो ने शहर के निवासियों को मतदान के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए शहर प्रशासन के साथ साझेदारी भी की है।

100 बाईक टैक्सी कैप्टन्स के साथ इस रैली को प्लेटिनम प्लाज़ा अटल पथ, भोपाल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर श्री अनुपम राजन, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, मध्य प्रदेश, श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, आईएएस, कलेक्टर एवं ज़िला मजिस्ट्रेट, भोपाल और श्री रितेश शर्मा, असिस्टेन्ट नोडल ऑफिसर, एसवीईईवी, भोपाल मौजूद रहे, और नागरिकों को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया। चुनाव के दिन मतदाता रैपिडो ऐप पर कोड 'ङ्कह्लञ्जश्वह्लड्ड' का उपयोग कर मुफ्त राईड पा सकते हैं और अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग कर सकते हैं। नागरिकों के मतदान के अधिकार को बढ़ावा देना तथा चुनाव प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। ये प्रयास रैपिडो के राष्ट्रव्यापी अभियान के अनुरूप हैं, जिसके तहत 100 से अधिक शहरों में चुनाव के दिन मुफ्त राईड उपलब्ध कराने के लिए 10 लाख से अधिक कैप्टन्स को लगाया गया है। मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन कार्यालय के साथ रैपिडो की साझेदारी ऐसा ब्राण्ड बनने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो बेहतर समाज के निर्माण में सकारात्मक योगदान दे सके।

आईपीएल 2024 का 57वां मुकाबला

सनराइजर्स की घर में होगी सुपर जायंट्स से टक्कर

हारी टीमों की टॉप-3 और प्लेऑफ पर नजर

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 का 57वां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच हैदराबाद में बुधवार शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। दोनों ही टीमों को अपने पिछले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। हैदराबाद को अपने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस ने हराया था। तो वहीं लखनऊ को अपने पिछले मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने हराया था।

आईपीएल 2024 के पॉइंट्स टेबल में लखनऊ सुपर जायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। दोनों ही टीमों ने 11 मुकाबले खेले हैं और इसमें 6 में जीते और 5 गंवाए हैं। दोनों ही टीमों के एक बराबर 12 अंक हैं। बस नेट रन रेट में अंतर की वजह से लखनऊ की टीम पांचवें स्थान पर है।

प्लेऑफ के लिए कड़ी टक्कर

- शीर्ष चार स्थान के लिए सनराइजर्स के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स (16) राजस्थान रॉयल्स (16) और चेन्नई सुपर किंग्स (12) अंक तालिका में उनसे ऊपर हैं। जो भी ये मैच जीतेगा वो अंक तालिका में तीसरे स्थान पर आ जाएगा।

हेड टू हेड

सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच अब तक तीन मैच हुए हैं और तीनों ही लखनऊ ने जीते हैं।

हैदराबाद के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव

पैट कमिंस की कप्तानी वाली हैदराबाद टीम में टैलेंट की कमी नहीं है। लेकिन टीम के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। सनराइजर्स ने अपने पिछले चार मैचों में से तीन मैच हारे हैं जिसकी मुख्य वजह उनके पावर हिटर्स बल्लेबाजों का फ्लॉप शो है। ट्रेविस हेड को छोड़कर बाकी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अपनी पावर-हिटिंग क्षमता प्रदर्शित करने के बावजूद युवा ओपनर अभिषेक शर्मा ने पिछले चार मैचों में सिर्फ एक बार 30 रन का आंकड़ा पार कर पाए हैं। टी नटराजन गेंद से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने भी अपनी लय हासिल कर ली है। भुवनेश्वर की गेंदबाजी की वजह से ही हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को 1 रन से हराया था।

लखनऊ का केकेआर के खिलाफ था फीका प्रदर्शन

लखनऊ सुपर जायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने निराशाजनक प्रदर्शन से उबरना होगा। इस मैच में लखनऊ के गेंदबाज महंगे साबित हुए थे और पहली बार इकाना स्टेडियम में लखनऊ के खिलाफ 200 रन का स्कोर बना था और उनकी टीम भी 137 रन पर ऑल आउट हो गई थी। इस मैच में केएल राहुल भी टीम की पारी को आगे बढ़ाने में नाकाम रहे थे और मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन जैसे प्लेयर भी नाकाम रहे थे। मयंक यादव के आईपीएल से बाहर होने और बाएं हाथ के पेसर मोहसिन यादव के चोटिल होने की वजह से अफगानिस्तान के पेसर नवीन उल हक और यश ठाकुर के कंधों पर सारी जिम्मेदारी आ गई है।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11

सनराइजर्स हैदराबाद । अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, मार्को जानसन, पैट कमिंस (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, सनवीर सिंह, ट्रैविस हेड, मयंक अग्रवाल, नितीश कुमार रेड्डी।

लखनऊ: केएल राहुल (कप्तान), मार्कस स्टोइनिस, एश्टन टर्नर, आयुष बदोनी, क्रुणाल पंड्या, रवि बिश्नोई, नवीन-उल-हक, मोहसिन खान, यश ठाकुर, अर्शिन कुलकर्णी, युद्धवीर सिंह, दीपक हुडा, निकोलस पूरन।

सऊदी स्मैश टूर्नामेंट 2024

मनिका बत्रा ने विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर मौजूद मान्यु को हराया

किया बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक से पहले भारत की स्टार महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी ने सऊदी स्मैश टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। मनिका बत्रा ने इस दौरान विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज चीन की वांग मान्यु को हराकर अपने सिंगल्स करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर काबिज मनिका ने चीन की दूसरी वरीय खिलाड़ी के खिलाफ 37 मिनट तक चले मुकाबले को 6-11, 11-5, 11-7, 12-10 से अपने नाम किया।

शुरुआती गेम में हारकर की वापसी

मनिका टोक्यो ओलंपिक टीम की स्वर्ण पदक विजेता और 2021 विश्व चैंपियन के खिलाफ शुरुआती गेम हार गईं। लेकिन उन्होंने अगले दो गेम जीत कर वापसी की और फिर चौथे गेम में शानदार जज्बा दिखाते हुए चीन की खिलाड़ी को पछाड़कर मुकाबला अपने नाम किया। गैर वरीयता प्राप्त मनिका ने रविवार को रोमानिया की एंड्रिया ड्रैगोमैन को हराया था। वह मंगलवार को अंतिम 16 दौर में जर्मनी की 14वीं रैंकिंग की खिलाड़ी नीना मित्तेलहम से भिड़ेंगी।

'यह मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि'

भारत की 28 साल की इस खिलाड़ी ने कहा यह मेरे सिंगल्स करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैं वास्तव में खुश हूं कि मैंने उसके खिलाफ जीत हासिल की। मैं अपने कोच अमन बाल्गु और अपने प्रशिक्षकों के साथ कड़ी मेहनत कर रही हूं। आपको ऐसा कुछ हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहना होगा। मुझ पर विश्वास करने के लिए आप सभी का धन्यवाद।

श्रीजा अकुला में मिली हार

हाल ही में मनिका को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग वाली भारत की महिला सिंगल्स खिलाड़ी बनी श्रीजा अकुला को हालांकि हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 38 स्थान पर काबिज श्रीजा पुर्तगाल की जेनी साहों के खिलाफ पहले गेम की बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी और 7-11, 11-3, 11-9, 12-14 से हार गईं।

बुमराह को आराम देने पर बोले कोच पोलार्ड जानें आगे मैचों में खेलेंगे या नहीं

मुंबई। मुंबई इंडियंस के आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बावजूद बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि टीम का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देने का कोई इरादा नहीं है। मुंबई ने सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया जिसमें सूर्यकुमार यादव (नाबाद 102) ने आईपीएल में दूसरा शतक जड़ा। मुंबई की यह 12 मैचों में चौथी ही जीत थी। टी20 विश्व कप को देखते हुए बुमराह को आराम देने के सवाल पर पोलार्ड ने कहा, 'हमने इस पर कोई बात नहीं की है। मुझे नहीं लगता कि यह मेरा काम है लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। हम सभी यहां पूरा आईपीएल खेलने के लिए हैं। हमारा लक्ष्य आईपीएल पूरा करना है। पोलार्ड ने कहा कि बल्लेबाजी कोच होने के नाते सबसे कठिन काम सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाज से आक्रामक खेल पर नियंत्रण कराना है। वह स्वाभाविक तौर पर आक्रामक बल्लेबाज है। वह हर गेंद को पीटन चाहता है। ऐसे में बल्लेबाजी कोच के लिए सबसे कठिन काम उसकी स्वाभाविक शैली को बदलना है। लेकिन बहुत ज्यादा नियंत्रण की भी जरुरत नहीं है क्योंकि आजकल क्रिकेट में इतने रन बन रहे हैं।' वहीं सनराइजर्स के सहायक कोच सिमोन हेलमोट ने कहा कि सूर्यकुमार ने शानदार पारी खेलकर मैच उनकी जद से बाहर कर दिया।

ऑरेंज कैप की रेस में सुनील नरेन की लंबी छलांग

विराट कोहली के इतने करीब पहुंचे जसप्रीत बुमराह कीपर

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के सलामी बल्लेबाज सुनील नरेन आईपीएल 2024 में गजब की फॉर्म में चल रहे हैं। 5 मई की रात लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ एक बार फिर उन्होंने अपनी टीम केकेआर के लिए मैच जिताऊ प्रदर्शन करते हुए 81 रनों की विस्फोटक पारी खेली। इस पारी के दम पर वह आईपीएल 2024 की ऑरेंज कैप की रेस में शामिल टॉप-5 बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। सुनील नरेन इस शानदार प्रदर्शन के बाद विराट और ऋतुराज के बाद तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। वहीं केएल राहुल चौथे और फिलिप सॉल्ट 5वें स्थान पर आ गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज कोहली 11 मैचों में सबसे अधिक 542 रन बनाकर इस लिस्ट के टॉप पर हैं। वहीं उनके बाद आईपीएल 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में ऋतुराज गायकवाड़ का नाम है, जो 541 रनों के बाद जस्ट उनके पीछे हैं। अब सुनील 461 रनों के साथ तीसरे, केएल राहुल 431 रनों के साथ चौथे और फिलिप सॉल्ट 429 रनों के साथ पांचवे पायदान पर हैं। वहीं इसी मैच में 36 रनों की पारी खेलने वाले एलएसजी के मार्कस स्टोइनिस 352 रनों के साथ 12वें पायदान पर हैं।

टी20 विश्व कप में भारत की सफलता की कुंजी होंगे ये दो खिलाड़ी : शास्त्री

दुबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि आगामी टी20 विश्व कप में शिवम दूबे की बड़े छक्के लगाने की क्षमता से भारत को बड़े स्कोर बनाने में मदद मिलेगी और यशस्वी जायसवाल के साथ दूबे पर भारत की उम्मीदों का दारोमदार होगा। जायसवाल और दुबे एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप में पदार्पण करेंगे। शास्त्री ने आईसीसी से कहा, 'दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं। एक यशस्वी जायसवाल है जिसने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। वह युवा है और बेखौफ खेलता है।' चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेलने वाले दूबे ने इस सत्र में 11 मैचों में 170.73 की स्ट्राइक रेट से 350 रन बनाए हैं।

शास्त्री ने कहा, 'मध्यक्रम में उसे देखिएगा। वह आक्रामक है और मैच विनर है। वह मजे के लिये छक्के लगा देता है और स्पिन गेंदबाजी को बखूबी खेलता है।' उन्होंने कहा, 'तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी वह असरदार है।

इगोर स्टिमक ने भुवनेश्वर शिविर के लिये 15 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की

भारतीय सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन दूसरे दौर के मुकाबलों के लिये 15 संभावित खिलाड़ियों की दूसरी सूची जारी की। पहली सूची शनिवार को जारी की गई थी।

भारतीय सीनियर पुरूष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने मंगलवार को कुवैत और कतर के खिलाफ फीफा विश्व कप 2026 के प्रारंभिक संयुक्त क्वालीफिकेशन दूसरे दौर के मुकाबलों के लिये 15 संभावित खिलाड़ियों की दूसरी सूची जारी की। पहली सूची शनिवार को जारी की गई थी। पहली सूची में शामिल 26 खिलाड़ी भुवनेश्वर में 10 मई से अभ्यास शुरू करेंगे।

दूसरी सूची में शामिल 15 खिलाड़ियों में मुंबई सिटी एफसी और मोहन बागान एसजी के खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने आईएसएल कप फाइनल खेला। वे 15 मई को शिविर से जुड़ेंगे। कुल 41 खिलाड़ी राष्ट्रीय शिविर में भाग लेंगे।

भारत का सामना छह जून को कोलकाता में कुवैत से और 11 जून को कतर में कतर से होगा।

भारत ग्रुप ए में चार मैचों में चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें तीसरे दौर में पहुंचेंगी और एएफसी एशियाई कप का टिकट कटायेंगी।

गोलकीपर : पी तेमपा लाचेंपा, विशाल कैथ डिफेंडर : आकाश मिश्रा , अनवर अली, मेहताब सिंह, राहुल भेके, शुभाशीष बोस, मिडफील्डर : अनिरूद्ध थापा, दीपक टंगड़ी, लालेंगमाविया राल्टे, लालियांजुआला छांगटे, लिस्टन कोलासो, सहल अब्दुल समद।

बालाजी कन्सट्रक्शन कम्पनी

शॉप नं0 14, ओम कॉम्प्लेक्स, नया बॉस, सेक्टर–15, नोएडा (गौतमबुद्धनगर)

फोन– 0120– 2321857
मो0– 9811082962

मैं उसे रोकना चाहता था कि घोंसले पर गुलेल नहीं चलाए पर तभी बोधराज की गुलेल से फर्रर्रर की आवाज निकली और इसके बाद जोर की टन की आवाज आई. गुलेल का कंकड़ घोंसले से न लगकर सीधा छत पर जा लगा था, जहां टीन के चादरें लगी थीं.

भीष्म साहनी की कहानी

छठीं कक्षा में पढ़ते समय मेरे तरह-तरह के सहपाठी थे. एक हरबंस नाम का लड़का था जिसके सब काम अनूठे हुआ करते थे. उसे जब सवाल समझ में नहीं आता तो स्याही की दवात उठाकर पी जाता. उसे किसी ने कह रखा था कि काली स्याही पीने से अक्ल तेज होती है. मास्टर जी गुस्सा होकर उस पर हाथ उठाते तो बेहद ऊंची आवाज में चिल्लाने लगता, "मार डाला! मास्टर जी ने मार डाला!" वह इतनी जोर से चिल्लाता कि आसपास की जमातों के उस्ताद बाहर निकल आते कि क्या हुआ है. मास्टर जी ठिठक कर हाथ पीछे कर लेते. यदि वह उसे पीटने लगते तो हरबंस सीधा उनसे चिपट जाता और ऊंची-ऊंची आवाज में कहने लगता, "अब की माफ कर दो जी! आप बादशाह हो जी! आप अकबर महान हो जी! आप सम्राट अशोक हो जी! आप माई-बाप हो जी, मेरे दादा हो जी, परदादा हो जी!"

क्लास में लड़के हंसने लगते और मास्टर जी झेंपकर उसे पीटना छोड़ देते. ऐसा था वह हरबंस. हर आए दिन बाग में से मेंढक पकड़ लाता और कहता कि हाथ पर मेंढक की चर्बी लगा लें तो मास्टर जी के बेंत का कोई असर नहीं होता, हाथ को पता ही नहीं चलता कि बेंत पड़ा है.

एक दूसरा सहपाठी था - बोधराज. उससे हम सब डरते थे. जब वह चिहुंटी काटता तो लगता जैसे सांप ने डस लिया है. बड़ा जालिम लड़का था. गली की नाली पर जब बर्रे आकर बैठते तो नंगे हाथ से वह बर्रा, पकड़कर उसका डंक निकाल लेता और फिर बर्रे की टांग में धागा बांधकर उसे पतंग की तरह उड़ाने की कोशिश करता. बाग में जाते तो फूल पर बैठी तितली को लपक कर पकड़ लेता और दूसरे क्षण उंगलियों के बीच मसल डालता. अगर मसलता नहीं तो फड़फड़ाती तितली में पिन खोंस कर उसे अपनी कापी में टांक लेता.

उसके बारे में कहा जाता था कि अगर बोधराज को बिच्छू काट ले तो स्वयं बिच्छू मर जाता है, बोधराज का खून इतना कड़वा है कि उसे कुछ भी महसूस नहीं होता. सारा वक्त उसके हाथ में गुलेल रहती और उसका निशाना अचूक था. पक्षियों के घोंसलों पर तो उसकी विशेष कृपा रहती थी. पेड़ के नीचे खड़े होकर वह ऐसा निशाना बांधता कि दूसरे ही क्षण पक्षियों की चों-चों सुनाई देती और घोंसलों में से तिनके और थिगलियां टूट-टूट कर हवा में छितरने लगते, या वह झट से पेड़ पर चढ़ जाता और घोंसलों में से अंडे निकाल लाता. जब तक वह घोंसलों को तोड़-फोड़ न डाले उसे चैन नहीं मिलता था.

उसे कभी भी कोई ऐसा खेल नहीं सूझता था जिसमें किसी को कष्ट नहीं पहुंचाया गया हो. बोधराज की मां भी उसे राक्षस कहा करती थी. बोधराज जेब में तरह-तरह की चीजें रखे घूमता, कभी मैना का बच्चा, या तरह-तरह के अंडे या कांटेदार झाऊ चूहा. उससे सभी छात्र डरते थे. किसी के साथ झगड़ा हो जाता तो बोधराज सीधा उसकी छाती में टक्कर मारता, या उसके हाथ पर काट खाता. स्कूल के बाद हम लोग तो अपने-अपने घरों को चले जाते, मगर बोधराज न जाने कहां घूमता रहता.

कभी-कभी वह हमें तरह-तरह के किस्से सुनाता. एक दिन कहने लगा, "हमारे घर में एक ह्यगोह" रहती है. जानते हो "गोह" क्या होती है?"

"नहीं तो, क्या होती है "गोह"?"

"गोह, सांप जैसा एक जानवर होता है, बालिश्त भर लम्बा, मगर उसके पैर होते हैं, आठ पंजे होते हैं. सांप के पैर नहीं होते."

हम सिहर उठे.

"हमारे घर में सीढ़ियों के नीचे गोह रहती है," वह बोला, "जिस चीज को वह अपने पंजों से पकड़ ले वह उसे कभी भी नहीं छोड़ती, कुछ भी हो जाए नहीं छोड़ती."

हम फिर सिहर उठे.

"चोर अपने पास गोह को रखते हैं. वे दीवार फांदने के लिए गोह का इस्तेमाल करते हैं. वे गोह की एक टांग में रस्सी बांध देते हैं. फिर जिस दीवार को फांदना हो, रस्सी को झुलाकर दीवार के ऊपर की ओर फेंकते हैं. दीवार के साथ लगते ही गोह अपने पंजों से दीवार को पकड़ लेती है. उसका पंजा इतना मजबूत होता है कि फिर रस्सी को दस आदमी भी खींचे, तो गोह दीवार को नहीं छोड़ेगी. चोर उसी रस्सी के सहारे दीवार फांद जाते हैं."

"फिर दीवार को तुम्हारी गोह छोड़ती कैसे है?" मैंने पूछा.

"ऊपर पहुंचकर चोर उसे थोड़ा-सा दूध पिलाते हैं, दूध पीते ही गोह के पंजे ढीले पड़ जाते हैं." इसी तरह के किस्से बोधराज हमें सुनाता.

उन्हीं दिनों मेरे पिताजी की तरक्की हुई और हम लोग एक बड़े घर में जाकर रहने लगे. घर नहीं था, बंगला था, मगर पुराने ढंग का, और शहर के बाहर. फर्श ईंटों के, छत ऊंची-ऊंची और ढलवां, कमरे बड़े-बड़े, लेकिन दीवार में लगता जैसे गारा भरा हुआ है. बाहर खुली जमीन थी और पेड़-पौधे थे. घर तो अच्छा था मगर बड़ा खाली-खाली सा लगता था और शहर से दूर होने के कारण मेरा दोस्त-यार भी यहां पर कोई नहीं था.

तभी वहां बोधराज आने लगा. शायद उसे मालूम हो गया था कि वहां शिकार अच्छा मिलेगा, क्योंकि उस पुराने घर में और घर के आंगन में अनेक पक्षियों के घोंसले थे, आसपास बंदर घूमते थे और घर के बाहर झाड़ियों में नेवलों के दो-एक बिल भी थे. घर के पिछले हिस्से में एक बड़ा कमरा था जिसमें मां ने फालतू सामान भरकर गोदाम-सा बना दिया था. यहां पर कबूतरों का डेरा था. दिन भर गुटरगूं-गुटरगूं चलती रहती. वहीं पर टूटे रोशनदान के पास एक मैना का भी घोंसला था. कमरे के फर्श पर पंख और टूटे अंडे और घोंसलों के तिनके बिखरे रहते.

बोधराज आता तो उसके साथ घूमने निकल जाता. एक बार वह झाऊ चुहा लाया, जिसका काला थूथना और कंटीले बाल देखते ही मैं डर गया था. मां को मेरा बोधराज के साथ घूमना अच्छा नहीं लगता था, मगर वह जानती थी कि मैं अकेला घर में पड़ापड़ा क्या करूंगा. मां भी उसे राक्षस कहती थी और उसे बहुत समझाती थी कि गरीब जानवरों को तंग नहीं किया करे.

एक दिन मां मुझसे बोली,"अगर तुम्हारे दोस्त को घोंसले तोड़ने में मजा आता है तो उससे कहो कि हमारे गोदाम में से घोंसले साफ कर दे. चिड़ियों ने कमरे को बहुत गंदा कर रखा है."

"मगर मां, तुम खुद ही तो कहती थी, जो घोंसले तोड़ता है उसे पाप चढ़ता है!"

"मैं यह थोड़े ही कहती हूं कि पक्षियों को मारे. वह तो पक्षियों पर गुलेल चलाता है, उन्हें मारता है. घोंसला हटाना तो दूसरी बात है."

चुनांचे, जब बोधराज घर पर आया तो मैं घर का चक्कर लगाकर उसे पिछवाड़े की ओर गोदाम में ले गया. गोदाम में ताला लगा था. हम ताला खोलकर अंदर गए. शाम हो रही थी और गोदाम के अंदर झुटपुटा-सा छाया था. कमरे में पहुंचे तो मुझे लगा जैसे हम किसी जानवर की मांद में पहुंच गए हों. बला की बू थी, और फर्श पर बिखरे हुए पंख और पक्षियों की बीट.

सच पूछो तो मैं डर गया. मैंने सोचा, यहां भी बोधराज अपना घिनौना शिकार खेलेगा, वह घोंसलों को तोड़-तोड़ कर गिराएगा, पक्षियों के घर नोचेगा, उनके अंडे तोड़ेगा, ऐसी सभी बातें करेगा जिनसे मेरा दिल दहलता था. न जाने मां ने क्यों कह दिया कि इसे गोदाम में ले जाओ और इससे कहो कि गोदाम में से घोंसले साफ कर दे. मुझे तो इसके साथ खेलने को भी मना करती थी और अब कह दिया कि घोंसले तोड़ो.

मैंने बोधराज की ओर देखा तो उसने गुलेल संभाल ली थी, और बड़े चाव से छत के नीचे मैना के घोंसले की ओर देख रहा था. गोदाम की ढलवां छतें तिकोन-सा बनाती थीं, दो पल्ले ढलवां उतरते थे और नीचे एक लम्बा शहतीर कमरे के आरपार डाला गया था. इसी शहतीर पर टूटे हुए रोशनदान के पास ही एक बड़ा-सा घोंसला था, जिसमें से उभरे हुए तिनके, रुई के फाहे और लटकती थिगलियां हमें नजर आ जाती थीं. यह मैना का घोंसला था. कबूतर अलग से, दूसरी ओर शहतीर पर गुटरगूं-गुटरगूं कर रहे थे और सारा वक्त शहतीर के ऊपर मटरगश्ती करते रहने में गुजारते थे.

"घोंसले में मैना के बच्चे हैं, बोधराज ने कहा और अपनी गुलेल से निशाना साध लिया.

तभी मुझे घोंसले में से छोटे-छोटे बच्चों की पीली-पीली नन्हीं चोंचे झांकती नजर आईं.

"देखा? "बोधराज कह रहा था, "ये विलायती मैना है, इधर घोंसला नहीं बनाती. इनके मां-बाप जरूर अपने काफि ले से बिछड़ गए होंगे और यहां आकर घोंसला बना लिया होगा."

इनके मां-बाप कहां हैं? मैंने बोधराज से पूछा.

"चुग्गा लेने गए हैं. अभी आते होंगे," यह कहते हुए बोधराज ने अपनी गुलेल उठाई.

मैं उसे रोकना चाहता था कि घोंसले पर गुलेल नहीं चलाए पर तभी बोधराज की गुलेल से फर्रर्रर की आवाज निकली और इसके बाद जोर की टन की आवाज आई. गुलेल का कंकड़ घोंसले से न लगकर सीधा छत पर जा लगा था, जहां टीन के चादरें लगी थीं.

दोनों चोंच घोंसले के बीच कहीं गायब हो गयीं. और फिर सकता-सा आ गया. लग रहा था मानों मैना के बच्चे सहमकर चुप हो गए हों.

तभी बोधराज ने गुलेल से एक और वार किया. अबकी कंकड़ शहतीर से लगा.

बोधराज अपने अचूक निशाने पर बड़ा अकड़ा करता था. दो निशाने चूक जाने पर वह बौखला उठा, अबकी बार वह थोड़ी देर तक चुपचाप खड़ा रहा. जिस वक्त मैना के बच्चों ने अपनी चोंच फिर से उठाई और घोंसले के बाहर झांककर देखने लगे, उसी समय बोधराज ने तीसरा वार किया. अबकी कंकड़ घोंसले के किनारे पर लगा. तीन-चार तिनके और रुई के गाले उड़े और छितरा-छितरा कर फर्श की ओर उड़ने लगे. लेकिन घोंसला गिरा नहीं.

बोधराज ने फिर से गुलेल तान ली थी. तभी कमरे में एक भयानक-सा साया डोल गया. हमने नजर उठाकर देखा. रोशनदान में से आने वाली रोशनी सहसा ढंक गई थी. रोशनदान के सींखचे पर एक बड़ी-सी चील पर फैलाए बैठी थीं. हम दोनों ठिठक कर उसकी ओर देखने लगे. रोशनदान में बैठी चील भयानक-सी लग रही थी. "यह चील का घोंसला होगा. चील अपने घोंसले में लौटी है." मैंने जोर से कहा.

"नहीं, चील का घोंसला यहां कैसे हो सकता है? चील अपना घोंसला पेड़ों पर बनाती है. यह मैना का घोंसला है."

उसी वक्त घोंसले में से चों-चों की ऊंची आवाज आने लगी. घोंसले में बैठे मैना के बच्चे पर फड़फड़ाने और चिल्लाने लगे.

हम दोनों निश्चेष्ट से खड़े हो गए, यह देखने के लिए कि चील अब क्या करेगी. हम दोनों टकटकी बांधे चील की ओर देखे जा रहे थे.

चील रोशनदान में से अंदर आ गई. उसने अपने पर समेट लिए थे और रोशनदान पर से उतरकर गोदाम के आर-पार लगे शहतीर पर उतर आई थी. वह अपना छोटा-सा सिर हिलाती, कभी दाएं और कभी बाएं देखने लगती. मैं चुप था, बोधराज भी चुप था, न जाने वह क्या सोच रहा था.

घोंसले में से बराबर चों-चों की आवाज आ रही थी, बल्कि पहले से कहीं ज़्यादा बढ़ गई थी. मैना के बच्चे बुरी तरह डर गए थे.

"यह यहां रोज आती होगी," बोधराज बोला.

अब मेरी समझ में आया कि क्यों फर्श पर जगह-जगह पंख और मांस के लोथड़े बिखरे पड़े रहते हैं. जरूर हर आए दिन चील घोंसले पर झपट्टा मारती होगी. मांस के टुकड़े और खून इसी की चोंच से गिरते होंगे.

बोधराज अभी भी टकटकी बांधे चील की ओर देख रहा था.

अब चील धीरे-धीरे शहतीर पर चलती हुई घोंसले की ओर बढ़ने लगी थी और घोंसले में बैठे मैना के बच्चे पर फड़फड़ाने और चीखने लगे थे. जब से चील रोशनदान पर आकर बैठी थी, मैना के बच्चे चीखे जा रहे थे. बोधराज अब भी मूर्तिबत खड़ा चील की ओर ताके जा रहा था.मैं घबरा उठा. मैं मन में बार-बार कहता, ह्यक्या फर्क.पड़ता है अगर चील मैना के बच्चों को मार डालती है या बोधराज अपनी गुलेल से उन्हें मार डालता है? अगर चील नहीं आती तो इस वक्त तक बोधराज ने मैना का घोंसला नोच भी डाला होता."

तभी बोधराज ने गुलेल उठाई और सीधा निशाना चील पर बांध दिया.

"चील को मत छेड़ो, वह तुम पर झपटेगी." मैंने बोधराज से कहा.

मगर बोधराज ने नहीं सुना और गुलेल चला दी. चील को निशाना नहीं लगा. कंकड़ छत से टकरा कर नीचे गिर पड़ा और चीन ने अपने बड़े-बड़े पंख फैलाए और नीचे सिर किए घूरने लगी.

"चलो यहां से निकल चलें," मैंने डरकर कहा.

नहीं! "हम चले गए तो चील बच्चों को खा जाएगी."

उसके मुंह से यह वाक्य मुझे बड़ा अटपटा लगा. अभी कुछ देर पहले खुद तो घोंसला तोड़ने के लिए गुलेल उठा लाया था.

बोधराज ने एक और निशाना बांधा. मगर चील उस शहतीर पर से उड़ी और गोदाम के अंदर पर फैलाए तैरती हुई-सी आधा चक्कर काटकर फिर से शहतीर पर जा बैठी. घोंसले में बैठे बच्चे बस लगातार चों-चों किए जा रहे थे.

बोधराज ने झट से गुलेल मुझे थमा दी और जेब में से पांच सात कंकड़ निकाल कर मेरी हथेली पर रखे. "तुम चील पर गुलेल चलाओ. चलाते जाओ, उसे बैठने नहीं देना, उसने कहा और स्वयं भागकर दीवार के साथ रखी मेज को घसीटकर फर्श के बीचों-बीच लाने लगा.

मैं गुलेल चलाना नहीं जानता था. दो-एक बार मैंने कंकड़ रखकर गुलेल चलाई लेकिन इस बीच चील गोदाम के दूसरे शहतीर पर जा बैठी थी.

बोधराज मेज को घसीटता हुआ ऐन मैना के घोंसले के नीचे ले आया. फिर उसने मेज पर एक टूटी हुई कुर्सी चढ़ा दी और फिर उछलकर मेज पर चढ़ गया और वहां से कुर्सी पर जा खड़ा हुआ. फिर बोधराज ने दोनों हाथ ऊपर को उठाए, जैसे-तैसे अपना संतुलन बनाए हुए उसने धीरे से दोनों हाथों से घोंसले को शहतीर पर से उठा लिया और धीरे-धीरे कुर्सी पर से उतर कर मेज पर आ गया और घोंसले को थामे-थामे छलांग लगा दी.

"चलो, बाहर निकल चलो," उसने कहा और दरवाजे की ओर लपका.

गोदाम में से निकल कर हम गराज में आ गए. गराज में एक ही बड़ा दरवाजा था और दीवार में छोटा-सा एक झरोखा. यहां भी गराज के आरपार लकड़ी का एक शहतीर लगा था.

"यहां पर चील नहीं पहुंच सकती," बोधराज ने कहा और इधर-उधर देख कर बक्से पर चढ़ कर घोंसले को एक टूटे शहतीर के ऊपर रख दिया.

थोड़ी देर में घोंसले में बैठे मैना के बच्चे चुप हो गए. बोधराज बक्से पर चढ़कर मैना के घोंसले में झांकने लगा. मैंने सोचा, अभी हाथ बढ़ाकर दोनों बच्चों को एक साथ उठा लेगा, जैसा वह अक्सर किया करता था, फिर भले ही उन्हें जेब में डालकर घूमता फिरे. मगर उसने ऐसा कुछ नहीं किया. वह देर तक घोंसले के अंदर झांकता रहा और फिर बोला, "थोड़ा पानी लाओ, इन्हें प्यास लगी है. इनकी चोंच में बूंद-बूंद पानी डालेंगे."

मैं बाहर गया और एक कटोरी में थोड़ा-सा पानी ले आया. दोनों नन्हें-नन्हें बच्चे चोंचें ऊपर को उठाए हांफ रहे थे. बोधराज ने उनकी चोंच में बूंद-बूंद पानी डाला और बच्चों को छूने से मुझे मना कर दिया, न ही स्वयं उन्हें छुआ.

"इन बच्चों के मां-बाप यहां कैसे पहुंचेंगे?" मैंने पूछा.

"वे इस झरोखे में से आ जाएंगे. वे अपने-आप इन्हें ढूंढ निकालेंगे."

हम देर तक गराज में बैठे रहे. बोधराज देर तक मनसूबे बनाता रहा कि वह कैसे रोशनदान को बंद कर देगा, ताकि चील कभी गोदाम के अंदर न आ सके. उस शाम वह चील की ही बातें करता रहा.

दूसरे दिन जब बोधराज मेरे घर आया तो न तो उसके हाथ में गुलेल थी और न जेब में कंकड़, बल्कि जेब में बहुत-सा चुग्गा भरकर लाया था और हम दोनों देर तक मैना के बच्चों को चुग्गा डालते और उनके करतब देखते रहे थे.

घर को ईको फ्रेंडली और बजट फ्रेंडली तरीके से यूं दें नया लुक

पतले बांस और खपच्ची से बननेवाले फर्नीचर की डिमांड पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ी है. एक तो ये ईकोफ्रेंडली होते हैं और दूसरे इनका लुक शानदार होता है. होम डिजाइनिंग में इनकी मौजूदगी एक अलहदा सादगी प्रदान करती है. इनकी एक और अच्छी बात यह है कि इनका मेंटेनेंस काफी सस्ता है. ये बहुत ज्यादा महंगे नहीं होते. दिशा भवसार और शिवानी अजमेरा, प्रिंसिपल डिजाइनर्स और को-पार्टनर्स, क्वर्क स्टूडियो, मुंबई बेस्ड इंटीरियर डिजाइन फर्म, ने हमारे साथ इस तरह के फर्नीचर के इस्तेमाल द्वारा घर को नया लुक देने के बारे में बताया.

फर्नीचर

खपच्चियों से बननेवाली चीजें फर्नीचर की दुनिया में काफी लंबे समय से ट्रेंड कर रही हैं. लंबे समय तक टिकने के अपने गुण और लो मेंटेनेंस होने के कारण आउटडोर फर्नीचर के लिए उनकी काफी डिमांड रही है. पर जैसा कि अब आउटडोर और इंडोर की सीमाएं टूट रही हैं, अब इनसे बननेवाले फर्नीचर पीसेस बतौर लाउंज चेयर, सेंटर टेबल्स, सोफा, कंसोल टेबल और यहां तक कि स्टोरेज के तौर पर भी इस्तेमाल किए जाने लगे हैं.

बेड बैक्स और पैनलिंग

बेडरूम में कई छोटी-मोटी डीटेलिंग वाली चीजों की जरूरत होती है. जैसे बेड के पीछे की पैनलिंग और हेडबोर्ड. इन्हें कई तरह के मटेरियल्स से बनाया जाता रहा है, आजकल खपच्चियों का इस्तेमाल भी इसके लिए किया जाने लगा है. इससे खूबसूरत प्राकृतिक टेक्सचर मिलता है. कई पैटनर्स में इनका इस्तेमाल किए जाने के कारण आपको कई सारे विकल्प मिल सकते हैं.

वॉर्डरोब

खपच्चियों के बीच फ्रेम किया ग्लास वॉर्डरोब के लिए बेहतरीन मटेरियल का काम करता है. अपनी बुनावट के पैटर्न के कारण इनका लुक बेहतरीन बन जाता है. वहीं ग्लास के चलते वॉर्डरोब के अंदर डस्ट की एंट्री नहीं हो पाती.

हैंगिंग लाइट्स

खपच्चियों की बुनावट के बीच फि क्स की हुई लाइट तो कमाल ही लगती है. खपच्चियों से बने लैम्प कई शेप और साइज के आते हैं. इनका अर्दी टोन हर जगह इस्तेमाल के लिए सुटेबल होते हैं, फिर चाहे वह लिविंग स्पेस हो या बेडरूम. इस अनूठे मटेरियल के चलते हैंगिंग लाइट्स की अलग ही छटा उभरकर सामने आती है.

डेकोर

बड़े फर्नीचर्स के अलावा खपच्चियों के इस्तेमाल से डेकोर की छोटी-मोटी चीजें भी बनाई जा सकती हैं, जैसे-टेबल मैट्स, पॉट्स, पार्टीशन स्क्रीन, बास्केट आदि. इनकी सबसे अच्छी बात यह है कि ये आपके घर को ईको फ्रेंडली और बजट फ्रेंडली बनाने में बड़ा योगदान देंगे.

असम के करीमगंज ज़िले में एशिया का दूसरा सबसे बड़ा वेटलैंड सोन बील झील है. इसे शोन बील भी कहा जाता है. टंडियों में यह झील खेत के तौर पर इस्तेमाल की जाती है. किसान यहां चावल की खेती करते हैं. बरसात में पानी भर जाता है. तब इसमें मछली पालन किया जाता है.

अगर आप इस बार छुट्टियों में कुछ अनूठी चीज देखने की योजना बना रहे हैं और इस बात को लेकर उधेड़बुन कर रहे हैं कि वह अनूठी चीज भला क्या हो सकती है? आपने पहाड़ देख लिए हैं, घाटियां और बीचेज भी हो आए हैं? तो आप क्यों न भारत की कुछ बेहतरीन झीलों में से किसी एक की सैर कर आएं. हमें पूरा विश्वास है कि ये झीलें आपका दिल जीत लेंगी और आपकी छुट्टियों को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगी. यहां हम भारत की कुछ बेहतरीन नैचुरल झीलों के बारे में बात करने जा रहे हैं.

डल झील

डल झील को फूलों की झील कहा जाता है. यह जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में स्थित है. इसपर चलनेवाली हाउसबोट्स यानी शिकारा मशहूर है. इस झील के साथ-साथ शालीमार बाग और निशत बाग जैसे फ़्लोटिंग गार्डन्स एक अनूठा नैचुरल वेटलैंड तैयार करते हैं. पर्यटकों में तो यह झील मशहूर है ही, स्थानीय लोगों की जीविका भी काफी हद तक इसपर निर्भर है. इसमें मछली पालन का व्यवसाय भी व्यापक तौर पर किया जाता है.

लोकतक झील

मणिपुर की यह झील उत्तर-पूर्व भारत की सबसे बड़ी फ्रेश वॉटर लेक है. वनस्पतियों और जैविक पदार्थों के मिलने से फुमदी यानी तैरनेवाले द्वीप बन जाते हैं. दुनिया का एकमात्र फ्लोटिंग नैशनल पार्क केइबुल लामजाओ नैशनल पार्क इसी तरह की एक फुमदी पर स्थित है.

चिलिका झील

ओडिशा की यह मशहूर झील भारत की सबसे बड़ी कोस्टल यानी तटीय झील है. इस झील की खूबसूरती का नजारा देखने का सबसे अच्छा मौसम है नवंबर से फरवरी. उस समय यहां मौसम भी सुहाना होता है. आपको कई सारे प्रवासी यानी माइग्रेटरी पक्षी भी देखने मिलेंगे, जिनमें फ़्लेमिंगो प्रमुख हैं.

वेम्बनाड झील

केरल की वेम्बनाड झील भारत की सबसे लंबी झील है. इसकी लंबाई की बात करें तो लंबाई में इसका विस्तार राज्य के कई ज़िलों तक है. हर ज़िले में इसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है. अलापुझा में इसे वेम्बनाड झील कहा जाता है, कुट्टानाड में इसे पुन्नामदा झील कहा जाता है और कोची में यह कोची लेक के नाम से जानी जाती है. केरल की सबसे मशहूर और पर्यटकों को आकर्षित करनेवाली नेहरू ट्रॉफी बोट रेस हर साल अगस्त महीने में इसी झील में आयोजित की जाती है.

सोन बील झील

असम के करीमगंज ज़िले में एशिया का दूसरा सबसे बड़ा वेटलैंड सोन बील झील है. इसे शोन बील भी कहा जाता है. ठंडियों में यह झील खेत के तौर पर इस्तेमाल की जाती है. किसान यहां चावल की खेती करते हैं. बरसात में पानी भर जाता है. तब इसमें मछली पालन किया जाता है.

झील के अनुपम सौंदर्य का नजारा आपको मार्च से सर्दियों तक देखने मिलता है.

मेट गाला में दिखा आलिया भट्ट का रॉयल लुक

मेट गाला 2024 में इस बार का थीम था 'गार्डन ऑफ टाइम, एन ऑड टू आर्ट एंड एटरनिटी' आलिया भट्ट इस साल मेट गाला 2024 का हिस्सा बनीं। इस इवेंट के लिए भारतीय एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने सफेद रंग की फ्लोरल साड़ी को चुना जिसे सब्यासाची ने डिजाइन किया। इस खूबसूरत साड़ी में आलिया भट्ट किसी राजकुमारी या परियों की तरह लग रही थी। उनका लुक देखने के बाद सोशल मीडिया पर भी लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे है वहीं बॉलीवुड सितारों से लेकर उनकी सासु मां और ननद ने भी आलिया की जमकर तारीफ की है। मेट गाला 2024 में आलिया भट्ट मशहूर डिजाइनर सब्यसाची की फूलों वाली साड़ी पहनकर पहुंची इस साड़ी को बनाने में 163 कारीगरों की 1965 घंटे की मेहनत लगी है। इस साड़ी को पहनकर आलिया भट्ट किसी खूबसूरत राजकुमारी से कम नहीं लग रही थी। आलिया भट्ट ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम से अपने मेट गाला 2024 लुक की खूब सारी तस्वीरें शेयर की इस तस्वीरों में आलिया ने बताया कि साड़ी ट्रेडिशन और इनोवेशन का प्रतीक है सब्यासाची ने इसे बेहद खूबसूरती से तैयार किया। इस साड़ी को हाथ की कढ़ाई, कीमती पत्थरों और झालरों से तैयार किया गया। साड़ी में झालर 1920 के काल का खास स्टाइल है इस साड़ी में पृथ्वी, आकाश और समुद्र के रंगों का समावेश है जो इसकी खूबसूरती को और भी ज्यादा बढ़ा रहा है आलिया भट्ट ने अपनी पोस्ट में बताया कि इस साड़ी का बनना काफी अनुभवपूर्ण रहा साथ ही मजेदार और स्ट्रेसफुल भी आलिया भट्ट की इस साड़ी के साथ एक लंबा मैचिंग वेल था जो इसे रॉयस लुक दे रहा था। आलिया के इस मेटा गाला लुक पर सभी फिदा हो गए हैं। फैंस लगातार आलिया को उनके लुक के लिए कमेंट्स कर रहे हैं वहीं बॉलीवुड सितारों से लेकर उनकी सासु मां और ननद ने भी आलिया की जमकर तारीफ की है। आलिया की मां सोनी रजदान ने अपनी प्यारी बेटी की फोटो के साथ सब्यासाची की भी जमकर तारीफ की। सोनी ने लिखा, 'सब्यासाची आप वाकई में महान हो, पता नहीं आपने इतने कम समय में इतना बेहतरीन काम कैसे कर लिया। यह वाकई में दिलकश है। यह वाकई में एक मास्टरपीस है। आलिया भट्ट तुम एक टाइमलेस प्रिंसेस हो।

सोनाली बेंद्रे की याददाश्त कमजोर

90 की टॉर एक्ट्रेसेस में शुमार सोनाली ने हाल ही में अपनी हिट सीरीज 'द ब्रोकन न्यूज' के सीक्वल के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वापसी की है। सोनाली को साल 2018 में

पता चला कि वह कैंसर की समस्या से जूझ रही हैं। उन्होंने हार नहीं मानी और बीमारी की डटकर सामना कर उसे पस्त कर दिया। सोनाली अब बिलकुल ठीक है, लेकिन अब उन्हें इस बीमारी का खामियाजा भुगतना पड़ रहा हैं। उन्होंने हाल ही में बयां किया कि कीमो का असर उनकी सेहत पर कैसा रहा।

रत्ना पाठक पर भड़के अनुपम खेर

रत्ना पाठक शाह इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने हाल ही में एक बयान दिया था जिसमें उन्होंने एक्टिंग स्कूल्स को दुकान बताया था। अब उनकी इस बात पर अभिनेता अनुपम खेर का रिएक्शन सामने आ गया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस रत्ना पाठक शाह अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपनी बातों को खुलकर लोगों के सामने रखते हुए नजर आती हैं। कुछ दिनों पहले उन्होंने एक्टिंग स्कूल को दुकान बताया था। अब इस पर दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर का रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने रत्ना शाह से एक सवाल किया है। अनुपम खेर भी खुद एक एक्टिंग स्कूल चलाते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे इस पर प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है। यह उनका नजरिया है। मैंने नसीरुद्दीन शाह का भी एक इंटरव्यू भी देख रहा था। वो भी यही बोल रहे थे। इसके आगे उन्होंने कहा कि मुझे लगता है वे दोनों नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से हैं, क्या वे नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा को भी एक दुकान कहेंगे। अभिनेता ने कहा कि कई बार इंसान कड़वाहट में ऐसा कुछ बोल जाता है, लेकिन वो क्या सोचते हैं, इसे सही ठहराना मेरा काम नहीं है। अगर उन्हें लगता है कि यह दुकान है, तो मुझे कोई परेशानी नहीं है। अनुपम खेर ने कहा कि मैं लोगों में अच्छाई देखता हूं। यहां तक कि सबसे बुरे व्यक्ति का भी एक अच्छा पक्ष होगा। उन्होंने कहा मुझे याद है जब मैं ड्राइव के लिए अपनी पहली कार लेकर निकला, तो नसीर ने मुझे देखा और बहुत गर्मजोशी दिखाई। उन्होंने कहा कि वाह, अनुपम आपने आखिरकार कार खरीद ली।

कॉमेडी शो में मजाक उड़ाए जाने पर भड़के करण जौहर

केतन ने एक नए कॉमेडी शो 'मेडनेस मचाएंगे' के प्रोमो में करण जौहर का मजाक उड़ाया था जिसके बाद करण भड़क गए थे और उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपना गुस्सा जाहिर किया था। करण ने केतन के एक मिमिक्री एक्ट को देखने के बाद सोशल मीडिया पर अपना रिएक्शन देते हुए एक लंबा चौड़ा नोट शेयर किया था।उन्होंने लिखा था, 'मैं मां के साथ टीवी देख रहा था। उसी दौरान मैंने एक बड़े टीवी चैनल के रियलिटी कॉमेडी शो का प्रोमो देखा। एक कॉमेडियन खराब तरीके से मुझे मिमिक कर रहा था। मैं ये ट्रोल्स से एक्स्पेक्ट करता था जो कि ऐसे लोग होते हैं जिनका न कोई नाम होता है और न ही चेहरा लेकिन जब 25 साल तक टिके रहने के बावजूद आपकी इंडस्ट्री के लोग ही आपका अपमान करें तो ये बहुत बुरी बात है। इस बात से मुझे गुस्सा नहीं आ रहा बल्कि बेहद दुख हो रहा है।करण जौहर का रिएक्शन सामने आने के बाद कॉमेडियन केतन सिंह ने उनसे माफी मांग ली है। उन्होंने कहा,'मैं करण जौहर सर से माफी मांगता हूं। मैं उनके काम का कायल हूं। चाहे 'कॉफी विद करण' हो या उनकी पिछली फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' जो कि मैंने 5-6 बार देखी है। मुझे उनकी फिल्में और शोज बेहद पसंद हैं। अगर उन्हें मेरी किसी भी बात से दुख हुआ है तो मैं उनसे माफी मांगता हूं। मेरा मकसद उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था। मेरा मकसद सिर्फ ऑडियंस को एंटरटेन करने का था और मैं अगर कुछ एक्स्ट्रा कर गया तो मैं उनसे सॉरी कहता हूं।

भारत से एक यंग ग्लोबल लीडर होने पर गर्व : भूमि

अभिनेत्री, अधिवक्ता और जलवायु योद्धा, भूमि पेडनेकर उन पांच भारतीयों में से एक हैं जिन्हें विश्व आर्थिक मंच ने अपने युवा वैश्विक नेताओं समुदाय 2024 की कक्षा का हिस्सा बनने के लिए चुना है। भूमि वर्तमान में दुनिया की एक युवा वैश्विक नेता के रूप में शामिल होने के लिए जिनेवा में हैं। इस महीने की शुरुआत में, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने 40 वर्ष से कम आयु के लगभग 90 परिवर्तनकर्ताओं की अपनी सूची जारी की, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य, आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी और स्थिरता के क्षेत्रों में अपने अभूतपूर्व कार्यों के माध्यम से भविष्य को आकार दे रहे हैं और सकारात्मक बदलाव को गति दे रहे हैं। एक बयान में विश्व आर्थिक मंच ने कहा कि 2024 की सूची राजनीति, व्यवसाय, नागरिक समाज, कला और शिक्षा जगत से उभरते सितारों के एक उल्लेखनीय समूह से बनी है। भूमि के अलावा, इस सूची में नाइका फैशन के सीईओ अद्वैत नायर, जुबिलेंट ग्रुप के निदेशक अर्जुन भरतिया, वेदांता लिमिटेड में गैर-कार्यकारी निदेशक प्रिया अग्रवाल हेब्बर; और डेक्सटेरिटी ग्लोबल के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद विवेक सागर शामिल है। भूमि कहती हैं, मुझे वर्ल्ड इकॉनॉमिक फोरम में भारत से एक यंग ग्लोबल लीडर होने पर गर्व है। यह मुझे अपने जीवन के हर मिनट को सामाजिक भलाई के लिए समर्पित करने के लिए प्रेरित करता है। यह सम्मान और भी खास है क्योंकि यह अगले साल सिनेमा में मेरे 10वें साल की पूर्व संध्या पर मिला है वह आगे कहती हैं, मैं दुनिया के विभिन्न हिस्सों से बदलाव लाने वाले लोगों के साथ बातचीत करके लगातार प्रेरित होती रहती हूं जो बदलाव लाने के लिए अपनी बात पर चल रहे हैं।

हेमा मालिनी की चचेरी बहन होने का मधु को मिला था फायदा

बॉलीवुड एक्ट्रेस मधु ने हाल ही में दिग्गज बॉलीवुड स्टार हेमा मालिनी के परिवार से आने के विशेषाधिकार के बारे में बात की। मधु ने कहा कि चूंकि उनके पिता एक फिल्म निर्माता थे और मालिनी उनकी चचेरी बहन थीं, इसलिए अभिनेत्री बनने के लिए मुंबई आने वाली अन्य लड़कियों के विपरीत, उनके साथ हमेशा सम्मान और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता था। मधु ने एक मनोरंजन पोर्टल को बताया कि हेमा जी जैसी कलाकार के घर से आने से मुझे बहुत सम्मान मिला।

'फूल और कांटे' की अभिनेत्री ने विस्तार से बताया कि हालांकि फिल्म उद्योग में कनेक्शन होने से उन्हें सही सम्मान मिला, लेकिन इससे सफलता सुनिश्चित नहीं हुई। मधु ने एक मनोरंजन पोर्टल को बताया चाहे मुझे कोई फिल्म मिले या न मिले, चाहे मुझे एक अभिनेत्री के रूप में सराहना मिले या न मिले, हेमा जी के घर से आने के कारण मुझे निश्चित रूप से वह सम्मान मिला, जो दुर्भाग्य से, कई लड़कियां जो अभिनेत्री बनने के लिए बॉम्बे आती हैं, उन्हें नहीं मिलता। उन्हें अप्रिय चीजों का सामना करना पड़ता है। लेकिन मुझे वे अनुभव कभी नहीं मिले।

> बॉलीवुड एक्ट्रेस मधु ने हाल ही में दिग्गज बॉलीवुड स्टार हेमा मालिनी के परिवार से आने के विशेषाधिकार के बारे में बात की।

उन्होंने तर्क दिया, शायद इसलिए कि मेरे पिता पहले से ही एक निर्माता थे। हो सकता है कि मुझमें किसी तरह की गरिमा हो। इसने मुझे एक फिल्म नहीं दी, इसने मुझे हिट नहीं दिया, इसने मुझे सराहना भी नहीं दी, लेकिन इसने मुझे पहुंच प्रदान की। अगर मैं किसी के कार्यालय में जाती थी, तो मेरे साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाता था।

मधु का संबंध अभिनेत्री जूही चावला से भी है। लेकिन 'कयामत से कयामत तक' एक्टर के रिश्तेदार होने से उनके करियर पर कोई खास असर नहीं पड़ा।

55 वर्षीय एक्ट्रेस ने कहा जूही जी मेरे जीवन में एक परिवार के सदस्य के रूप में बहुत बाद में आईं, मेरी शादी के बाद। और जब मेरी शादी हुई, तो मैंने एक तरह से इंडस्ट्री छोड़ दी थी। इसलिए परिवार में उनका रहना, भावनात्मक रूप से, या मानसिक रूप से, या शारीरिक रूप से, मुझ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मधु, जिन्होंने कई तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में अभिनय किया है, अगली बार हिंदी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर, 'कर्तम भुगतम' में दिखाई देंगी।

बिगड़ैल पुत्र समेत आप विधायक अमानतुल्लाह खान पर मुकदमा दर्ज

नोएडा (चेतना मंच)। थाना नोएडा के थाना फेस- वन में दिल्ली के आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान, उनके बेटे अनस खान सहित कई के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

अपर पुलिस उपयुक्त (जोन प्रथम) मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि दिल्ली के ओखला से आम आदमी पार्टी से विधायक अमानतुल्लाह खान के बेटे अनस आज सुबह को अपने साथियों के संग सेक्टर 95 स्थित पेट्रोल पंप पर पहुंचे। वहां पेट्रोल पंप जल्दी डलवाने को लेकर उनकी कर्मचारियों से बहस हो गई। विधायक के बेटे और उनके साथियों ने कर्मचारियों के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। दोनों पक्षों को समझा-बूझकर शांत करवाया गया। इसके बाद विधायक के बेटे ने अपने पिता को घटना की जानकारी दी।

विधायक अमानतुल्लाह दो गाड़ियों में सवार होकर वहां पहुंचे। आरोप है कि विधायक ने भी पेट्रोल पंप के मैनेजर बिनोद को धमका है और मालिक को फोन पर धमकी दी। इस मामले में पीड़ित विनोद कुमार सिंह ने थाना फेस- वन में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनके अनुसार विधायक ने कहा कि मैं अभी तुम्हारे स्टाफ को मारने लगु तो तुम हमारा कुछ नहीं कर पाओगे। फिर उसके बाद पेट्रोल पंप मालिक से फोन पर बात करके बोला कि यह पेट्रोल पंप हमारे इलाके में पड़ता है। और यहां बिजनेस करने बैठे हो तो बिजनेस करो। उन्होंने बताया कि इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान, विधायक के बेटे अनस खान और दो गाड़ियों में सवार अन्य लोगों के खिलाफ धारा 323, 504, 506 और 427 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी पुलिस ने अपने कब्जे में ली है।

आज राज्याभिषेक की तैयारी, राम वनवास व केवट संवाद

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट-7 में आयोजित श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज ने भगवान राम की बाल लीलाओं, विश्वामित्र यज्ञ रक्षा, अहिल्या उद्धार एवं श्रीराम विवाह आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया।

विश्वामित्र जी वन में यज्ञ करते हैं लेकिन राक्षस उनके यज्ञ में बाधा डालकर उसको पूर्ण नहीं होने देते हैं। विश्वामित्र जी ध्यानस्थ होकर देखते है तो उन्हें पता चलता है कि दशरथ पुत्र राम स्वयं विष्णु अवतार हैं और उनके बिना राक्षसों का संघार नहीं हो सकता है। दशरथ जी से राम, लक्ष्मण को यज्ञ की रक्षा के लिए मांगते है। भगवान राम रास्ते में तड़का जैसी भयंकर राक्षसी का वध कर देते हैं। साथ ही अन्य राक्षसों का वध कर यज्ञ को पूर्ण करवाते हैं। मुनि विश्वामित्र के साथ जाते समय रास्ते में गौतम ऋषि के श्रापवश पाषाण शिला बनी अहिल्या का अपनी चरण रज से उद्धार करते हैं। जनकपुरी पहुंचने पर मुनि समेत दोनों भाइयों का जनक जी द्वारा सत्कार किया जाता है। जनक जी अपनी प्रतिज्ञा से सभी को अवगत कराते हैं कि जो भी शिव धनुष को तोड़ेगा उसी के साथ जानकी का विवाह होगा। देश देशांतर के राजा धनुष नहीं तोड़ पाए। भगवान राम के छूते ही धनुष टूट गया और जानकी जी ने राम जी के गले में वरमाला डाल देती हैं। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 8 मई को राम राज्याभिषेक की तैयारी, राम वनवास, केवट संवाद आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन कथा व्यास द्वारा किया जाएगा।

सेक्टर-82 में श्रीराम कथा का चौथा दिन

इस अवसर पर देवमणि शुक्ल, रवि राघव, गोरे लाल, संजय पांडेय, हरि सिंह, ब्रिजेन्द्र सिंह, संजय शुक्ला, रमेश चंद शर्मा, विश्वनाथ त्रिपाठी, विष्णु शर्मा, रमेश वर्मा, नीरज शर्मा, गौरव, पप्पू सिंह, जितेंद्र सतपति, संजय शुक्ला,उमाकांत त्रिपाठी, हंसमणि शुक्ला, विकास शर्मा, रविंद्र कुमार, देवेंद्र गुप्ता, बहादुर चौहान, उदयराम, रमेश दास, अंगद सिंह तोमर, राजेश गुप्ता, सुशील पाल, सर्वेश तिवारी, सीएल तिवारी, राजवीर सिंह, धर्मेंद्र सिंह,अनूप सिंह, दीपक तिवारी, शिव चौधरी, संगम प्रसाद मिश्र, उत्तम चंद्रा, विकास कुमार, अंजनी कुमार सिंह, राकेश कुमार, विनय त्रिवेदी सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

20 फुट गहरे गड्ढे से निकालकर गौमाता को दिया जीवनदान

उप्र युवा व्यापार मंडल ने पुलिस व अग्निशमन टीम को दी बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। कोतवाली 49 के तहत बरौला गांव में मेट्रो पिलर संख्या-41-42 के पास एक गाय के 20 फुट गहरे नाले में गिरने के बाद काफी मशक्कत के बाद गाय को बाहर निकालकर उसे नया जीवनदान दिया।

उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि उन्हें बरौला में एक गाय के नाले में गिरने की सूचना मिली। उन्होंने पुलिस तथा प्राधिकरण में इसकी सूचना दी। थोड़ी देर में ही सेक्टर-49 थाने के एसएचओ अनुज सैनी स्वयं पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे तथा उन्होंने अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी तथा वहां से जेसीबी मशीन व उपकरणों के साथ टीम को बुलवाया। क्योंकि गाय काफी गहरे नाले में थी इसलिए यह तय किया गया की जेसीबी के जरिए बगल से गड्ढा खोदकर एक दूसरा रास्ता बनाया जाए जिस रास्ते के जरिए गाय को निकाला जाए। काफी देर की मशक्कत के बाद दूसरा गड्ढा खोदा गया तथा बड़ी मुश्किल में गाय को नाले से बाहर निकाला।

इस कार्य में सेक्टर-49 थाने की प्रभारी अनुज सैनी के अलावा अग्निशमन विभाग फेस-1 की टीम एवं उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के पदाधिकारी तथा स्थानीय लोगों का काफी सहयोग रहा।

तकरीबन 2 घंटे की मशक्कत के बाद गाय को सकुशल गड्ढे से बाहर निकल गया। गाय को उपचार के लिए पशु चिकित्सालय भिजवा दिया गया है। जहां पर पशु चिकित्सक गाय का उपचार कर रहे हैं।

दो मेडिकल स्टोर पर छापा, दवाईयों के नमूने लिए

नोएडा (चेतना मंच)। औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर ने सेक्टर-66, मामूरा, नोएडा स्तिथ दो मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने बताया कि शिवाय मेडिकोज द्वारा संगृहीत औषधि के बिल के साथ अन्य 7 दवाओं के क्रय विक्रय बिल प्रस्तुत नहीं किए गए, जिस पर मेडिकल स्टोर को सभी 8 औषधि के विक्रय बिल प्रस्तुत नहीं किए जाने तक के लिए 8 औषधियों के विक्रय पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर ने जानकारी देते हुए अवगत कराया कि मेडिकल स्टोर के क्रय विक्रय अभिलेखों की जांच यह सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है कि किसी भी मेडिकल द्वारा किसी बिना या अवैध लाइसेंस धारी या बिना डॉक्टर के पर्चे पर औषधि का क्रय विक्रय तो नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है, जिनकी रिपोर्ट आने पर एवं विवेचना करने पर आग्रिम कार्यवाही औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 के अन्तर्गत नियमानुसार की जाएगी।

औषधि निरीक्षक द्वारा बताया गया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद में सभी प्रकार की दवाइयां मानकों एवं गुणवत्ता के साथ सभी मेडिकल स्टोर्स पर बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आगे भी इसी प्रकार अभियान संचालित करते हुए मेडिकल स्टोर्स की जांच की जाएगी।

प्राधिकरण के दो प्रबंधक प्रोन्नत होकर बने वरिष्ठ प्रबंधक

नोएडा (चेतना मंच)। शासन ने नोएडा प्राधिकरण के विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग में प्रबंधक के तौर पर तैनात दो अधिकारियों को प्रोन्नत कर दिया है। प्रोन्नत करके दोनों को वरिष्ठ प्रबंधक बनाया गया है। यह आदेश औद्योगिक विकास विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने जारी किए हैं।

जारी आदेश के तहत विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग में तैनात प्रबंधक गौरव बंसल तथा प्रबंधक सत्येन्द्र कुमार को प्रोन्नत करके वरिष्ठ प्रबंधक बना दिया गया है।

आबादियों में तोड़फोड़ की कार्रवाई पर किसान भड़के

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गांव मायचा में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा आबादियों को तोड़ने का प्रयास से किसान संगठन भड़क उठे। इसके विरोध में अखिल भारतीय किसान सभा गौतम बुध नगर के कार्यकर्ताओं ने ग्रेनो प्राधिकरण के सीईओ से मुलाकात कर प्राधिकरण की कार्रवाई पर सख्त विरोध व्यक्त किया। बातचीत के दौरान प्राधिकरण के सीईओ ने किसानों को आश्वासन दिया गया कि आगे से इस तरह की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

किसानों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किसान सभा के नेता जय करण बाबूजी, जगबीर नंबरदार, अजी पाल भाटी, गवरी मुखिया, अजब सिंह नेताजी, येतेन्द मैनेजर, मास्टर रणवीर सिंह, विनोद सरपंच, सतीश यादव नेताजी आदि ने किया।

सोसाइटी, अपार्टमेंट व सरकारी भवनों के वाटर स्ट्रक्चरों की होगी जांच

नोएडा (चेतना मंच)। मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भूगर्भ जल प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूगर्भ जल अधिकारी अंकिता राय ने मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया कि विभागीय पोर्टल पर कुल 57 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्राधिकरणों की रिपोर्ट के बाद आवेदनों को स्वीकृत किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में भूजल का अधिकतम संरक्षण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय टास्क फोर्स को निर्देशित किया कि जनपद में अभी तक भूगर्भ जल प्रयोजन के लिए जारी हो चुके अनापत्ति प्रमाण पत्र के सापेक्ष औद्योगिक, इंफ्रास्ट्रक्चर, कमर्शियल तथा सामूहिक उपभोक्ताओं द्वारा भू जल संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का परिसर में निर्माण, तालाबों का जीर्णोद्धार के लिए की जा रही गतिविधियों के संबंध में सभी से रिपोर्ट प्राप्त की जाए और यदि अनापत्ति प्रमाण प्राप्त करने के बावजूद उनके द्वारा वाटर रिचार्ज को लेकर यदि कोई गतिविधि नहीं की जा रही तो संबंधित का अनापत्ति प्रमाण पत्र निरस्त की जाने की कार्रवाई की जाए। साथ ही रेजिडेंस सोसाइटी, अपार्टमेंट सरकारी भवनों, कार्यालय आदि में भी वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चरों की स्थिति की गहन समीक्षा की जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने भूगर्भ विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि भूगर्भ जल संरक्षण को और अधिक बढ़ावा देने के उद्देश्य से बड़ी-बड़ी औद्योगिक इकाइयों को भी तालाबों के पुनर्भरण एवं जीर्णोद्धार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। बैठक में नोएडा/ग्रेटर नोएडा/यमुना विकास प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, वन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

'भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर घरों में जलाए दीपक'

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा ने ब्राह्मण समाज के लोगों से अपील की है कि वह भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर अपने घरों में शाम के समय पांच दीपक अवश्य जलाएं। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव को सभी लोग भव्य तरीके से मनाये।

महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा ने बताया कि आगामी 10 मई को ब्राह्मण समाज के आराध्य देव भगवान परशुराम का जन्मोत्सव है। इस जन्मोत्सव पर महासभा द्वारा भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने ब्राह्मण समाज के लोगों से अपील की कि वह 10 मई की शाम को अपने घरों में पांच दीपक अवश्य जलाएं। संभव हो सके तो 10 मई को संगठन के सभी लोग अपने घर तथा सार्वजनिक स्थान पर हवन और भगवान परशुराम की आराधना करें। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि अगर संभव हो सके तो है वह अपने-अपने शहरों, गांव में भंडारे का आयोजन कर बैठक करें और भगवान परशुराम के बारे में लोगों को जानकारी दें।

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने बताया कि महासभा द्वारा भगवान परशुराम के जन्मोत्सव को भव्य तरीके से मनाया जाएगा। जन्मोत्सव के अवसर पर हवन यज्ञ भंडारे का आयोजन किया जाएगा।